संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 106
पृष्ठ 8
शुक्रवार
03 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इस तरह से वर्किंग वूमेन....
विचार- अमेरिका भक्ति की....
खेल- 'ड्रेसिंग रूम में जब....

टीबी रोगी समाज का अंग, उनका सहारा बनें निक्षय मित्र और सम्मान प्रदान कराएं : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवानिवृत्त हो चुके आईएएस, आईपीएस, पूर्व कुलपतियों,शिक्षाविदों व अन्य वरिष्ठ नागरिकों को'निक्षय मित्र की बड़ी जिम्मेदारी दी है।'निक्षय मित्र के रूप में यह वरिष्ठ नागरिक 'टीबी उन्मूलन के प्रयासों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सहयोग करेंगे। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सभी के साथ बैठक की और टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग का आह्वान किया। विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और पूर्व कुलपतियों को प्रधानमंत्री मोदी के 'टीबी मुक्त भारत के संकल्प के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ भारत से ही समर्थ भारत का निर्माण संभव है और जब भारत समर्थ होगा तभी शक्तिशाली होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक विश्व को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था, जिसे मिशन मोड में लेते हुए प्रधानमंत्री ने भारत के लिए वर्ष 2025 तक का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि विश्व में सबसे अधिक टीबी रोगी भारत मे हैं और भारत को टीबी मुक्त करने के लिए सबसे बड़ी आबादी के राज्य उत्तर प्रदेश में टीबी उन्मूलन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में टीबी रोगियों की जाँच पहले के मुकाबले चार गुना हो गई है। नैट एवं एक्सरे मशीनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में टीबी उपचार की सफलता दर पिछले चार वर्षों में 79 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत हो गई है। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में जनभागीदारी के महत्व पर चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि अब तक 45 हजार से अधिक निरूक्षय मित्रों द्वारा टीबी रोगियों को गोद लिया गया है और प्रदेश की 1372 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है। उन्होंने सभी से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी ने लंबे समय तक समाज के बीच कार्य किया है। सभी सुदीर्घ अनुभव रखते हैं। अब सेवानिवृत्ति के बाद आप सभी इस राष्ट्रीय मिशन में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सबका साझा दायित्व है कि कोई भी टीबी का रोगी छूटने न पाये और जिनको भी टीबी से ग्रसित पाया जाये, उनको तत्काल सही और निरंतर चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराया जाये। उनको अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराया जाए और कोई न कोई निरूक्षय मित्र उनसे जुड़कर उनका सहारा बने। इसके साथ ही उनके परिवार के शेष सदस्यों की भी जांच कराकर उचित चिकित्सा परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जाए।

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा : अमित शाह

● बोले- हम अपनी संस्कृति के कारण जुड़े हुए हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। 'जम्मू–कश्मीर और लद्दाख थ्रू द एजेस' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। शाह ने इस दौरान कहा कि हमारे देश के हर कोने का इतिहास हजारों साल पुराना है, जहां दुनिया की सभ्यताओं को कुछ न कुछ देने के लिए काम किये गये। उन्होंने कहा कि परतंत्रता के समय हमें यह भूलाने का प्रयास किया गया। एक मिथक प्रचारित किया गया कि यह राष्ट्र कभी एकजुट नहीं था और स्वतंत्रता का विचार बेमानी था। बहुत से लोगों ने इस झूठ को स्वीकार भी किया। शाह ने आगे कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान इतिहास में लिखी गई हमारे देश की परिभाषा उनकी जानकारी की कमी के कारण गलत थी। विश्व के सभी राष्ट्रों का अस्तित्व भू–राजनीतिक है। वे युद्ध या समझौते के परिणामस्वरूप सीमाओं द्वारा बनते हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो 'भू–सांस्कृतिक' देश है और संस्कृति के कारण ही सीमाएँ निर्धारित होती हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, गांधार से ओडिशा तक और बंगाल से असम तक, हम अपनी संस्कृति के कारण जुड़े हुए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो लोग किसी देश को किसी भू–राजनीतिक चीज़ के रूप में परिभाषित करते हैं, वे हमारे देश को परिभाषित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि भारत को समझने के लिए हमारे देश को जोड़ने वाले तथ्यों को समझना होगा। कश्मीर और लद्दाख कहां थे, इस आधार पर तथ्यों को तोड़–मरोड़कर विश्लेषण करना कि इस पर किसने शासन किया, कौन रहते थे और कौन–कौन से समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, व्यर्थ है और केवल इतिहास की कुटिल दृष्टि वाले इतिहासकार ही ऐसा कर सकते हैं।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025 (रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय 289/238ए, अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

राजेंद्र आर्लेकर ने केरल के राज्यपाल के रूप में ली शपथ

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने गुरुवार को राजभवन में आयोजित एक विशेष समारोह में केरल के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नितिन मधुकर जामदार ने राज्यपाल को सुबह 10.30 बजे शपथ दिलाई। राज्यपाल ने भगवान के नाम पर शपथ ली और राज्य के 23वें राज्यपाल बन गए। समारोह में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, विधानसभा अध्यक्ष एएन शमसीर, विपक्ष के नेता वीडी सतीसन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एआईसीसी कार्यसमिति के सदस्य रमेश चेन्निथला, मंत्री, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव, वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी, रक्षा अधिकारी, वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता भी शामिल हुए। श्री अर्लेकर अपनी पत्नी अनघा अर्लेकर के साथ बुधवार शाम हवाई अड्डे पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद, राजभवन में चाय पार्टी का आयोजन किया गया। श्री अर्लेकर ने आरिफ मोहम्मद खान की जगह ली है, जिन्हें बिहार के राज्यपाल के रूप में शपथ दिलाई गई है। गोवा सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं गोवा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र अर्लेकर बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं। उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य किया। इनमें गोवा औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष, गोवा राज्य अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग वित्तीय विकास निगम के अध्यक्ष, दक्षिण गोवा के भाजपा अध्यक्ष शामिल हैं। 2021 में उन्हें हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया और बाद में वे बिहार के राज्यपाल बनें।

जेलों में जातीय भेदभाव रोकने की तैयारी, गृह मंत्रालय ने मॉडल जेल मैनुअल के नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जेलों के भीतर जाति–आधारित भेदभाव को संबोधित करने और श्आदतन अपराधीश की मौजूदा परिभाषा को बदलने के लिए मॉडल जेल मैनुअल, 2016 और मॉडल जेल और सुधार सेवा अधिनियम, 2023 में संशोधन किया। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को परिवर्तनों पर ध्यान देने और सभी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। यह कदम 2023 की रिट याचिका (सिविल) संख्या 1404, सुकन्या शांता बनाम भारत संघ और अन्य में सुप्रीम कोर्ट के 3 अक्टूबर, 2024 के ऐतिहासिक फैसले के बाद उठाया गया। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजे एक पत्र में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि कैदियों के साथ किसी भी जाति–आधारित भेदभाव के मुद्दे को 'मॉडल जेल मैनुअल, 2016' और 'मॉडल जेल और सुधार सेवा अधिनियम, 2023' के जरिए संबोधित किया जाए। संशोधन किया गया है। मैनुअल में नए जोड़ के अनुसार, जेल अधिकारियों को सख्ती से यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी जाति के आधार पर कैदियों के साथ कोई भेदभाव, वर्गीकरण, अलगाव न हो। मॉडल कारागार और सुधार सेवा अधिनियम, 2023 के श्विविधश में धारा 55 (ए) के रूप में एक नए शीर्षक 'जेलों और सुधार संस्थानों में जाति–आधारित भेदभाव का निषेध' के साथ भी बदलाव किए गए हैं।

25 सेक्टर्स में फैला प्रयागराज महाकुंभ क्षेत्र, कहां, कौन-से घाट और मंदिर?

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। अभी कुंभ मेले की तैयारियां चल रही हैं। इसी बीच प्रयागराज में लगने वाले कुंभ को लेकर वीडियो मैप के जरिए जानकारी साझा की गई है। जिससे महाकुंभ में आने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन होगा। आयोजन से पहले महाकुंभ 2025 के एक्स हैंडल पर एक जानकारी साझा की गई है। जिसमें महाकुंभ प्रयागराज 2025 की जानकारी मैप के जरिए बताई गई है। संगम नगरी में लगने वाले कुंभ मेले को पांच जगहों में बांटा गया है। जिसमें झूंसी, तेलीयरगंज, संगम, परेड ग्राउंड और अरैल शामिल है। इसमें भी इन इलाकों को सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें 25 सेक्टर हैं। इन सेक्टरों को जोड़ने के लिए पुल भी हैं। जिनकी संख्या 13 है। साथ ही मैप में मुख्य मार्गों की जानकारी दी गई है। कौन सा रास्ता कहां से कहां जा रहा है और किस रास्ते पर कौन सा धार्मिक स्थल होगा। महाकुंभ का आयोजन भारत के चार पवित्र स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में हर 12 साल के अंतराल पर होता है। यह विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है। 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान करेंगे। इसे लेकर सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू की हैं। इसमें अत्याधुनिक तकनीक, सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा ताकि श्रद्धालुओं के लिए यह अनुभव सहज और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध हो। महाकुंभ 2025 की मेजबानी उत्तर प्रदेश करने को तैयार है। संगम नगरी प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन हो रहा है। वैसे तो हर साल प्रयागराज में माघ मेला लगता है, लेकिन अर्ध कुंभ और महाकुंभ मेला विशेष धार्मिक महत्व रखता है। इसके पहले साल 2013 में प्रयागराज में महाकुंभ मेला लगा था। साल 2019 में प्रयागराज में भव्य अर्धकुंभ का आयोजन हुआ था। एक बार फिर योगी सरकार महाकुंभ के आयोजन के लिए तैयार है। हिंदू तिथि के अनुसार, हर 12 साल में पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व के साथ महाकुंभ की शुरुआत होती है और महाशिवरात्रि पर खत्म होता है। कुंभ की भव्यता और मान्यता का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि कुंभ में स्नान करने के लिए लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। इस वर्ष 13 जनवरी 2025 को महाकुंभ की शुरुआत होगी, जिसका समापन 26 फरवरी 2025, महाशिवरात्रि को होगा। महाकुंभ 45 दिन तक चलता है।

केशव बोले : अखिलेश की नाकामी को उजागर करती है उनकी बयानबाजी, संभल में सपा विधायक और सांसद के वर्चस्व की लड़ाई

प्रयागराज। नए साल पर प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में सपा प्रमुख पर जमकर कटाक्ष किया। कहा, अखिलेश यादव सोशल मीडिया पर महाकुंभ बुलेटिन जारी कर रहे हैं। 2013 के कुंभ में भगदड़ उन्हीं के शासनकाल में हुई थी। अखिलेश की बयानबाजी उनकी नाकामी को उजागर करती है। कहा कि अखिलेश के चच्चा आजम खां मेले के प्रभारी थे तो सरकार

की अव्यवस्था के कारण कुंभ में कई लोग दुर्घटना के शिकार हुए। जबकि, 2019 में जब हमारी डबल इंजन की सरकार रही तो 24 करोड़ लोगों को कुंभ मेले में खरोंच तक नहीं आई। वहीं, संभल में विवाद पर केशव ने कहा कि वहां कोई हिंदू–मुस्लिम नहीं, बल्कि सपा के सांसद और उन्हीं विधायक वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। केशव ने जामा मस्जिद के सामने पुलिस चौकी का निर्माण सुरक्षा की दृष्टि से किया गया है। अखिलेश का 2027 का ख्वाब टूट रहा है। वह बेचैन और परेशान हैं। इस दौरान मेयर गणेश केसरवानी, अवधेश चंद्र गुप्ता, आशीष गुप्ता, सुबोध सिंह, रवि केसरवानी, मनोज कुशवाहा आदि मौजूद रहे। केशव ने बताया कि इसी माह बालसन चौराहे पर पंडित दीन दयाल उपाध्याय की एक नई प्रतिमा के साथ पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेयी और विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष रहे अशोक सिंहल की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। महापौर गणेश केसरवानी ने बताया कि तीनों प्रतिमाएं 12–12 फीट की होंगी। यहां विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, अवधेश चंद्रगुप्त, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल यमुना पार जिला अध्यक्ष विनोद प्रजापति, पूर्व एमएलसी निर्मला पासवान रहे।

मेजा की सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे

गंगापार। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रयागराज शहर की सड़कों का कायाकल्प तो कर दिया गया, लेकिन देहात की सड़कों के गड्ढे आज तक नहीं भरे जा सके, जिससे यात्रियों को न केवल आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है, बल्कि दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। लोगों की शिकायत के बावजूद संबंधित विभाग के इंजीनियर पूरी तरह खामोश हैं। परानीपुर डोरवा, सोंराव मार्ग, रामनगर निवैया बिसहिजन खुर्द मार्ग सहित मेजा तहसील क्षेत्र में कई ऐसे मार्ग हैं, जिनमें गड्ढे ही गड्ढे हैं, इन गड्ढों से बचने के लिए जैसे ही दो पहिया या चार पहिया वाहन इधर–उधर होते हैं विपरीत दिशा से आ रहे वाहनों से टक्कर हो जाया करती है। सड़क के बीच उभरे इन गड्ढों की वजह से चार पहिया वाहनों के एक्सल टूट जाया करते हैं।

जगतपुर आरओबी पर दौड़े दोपहिया वाहन, आवागमन शुरू

प्रयागराज। प्रयागराज–वाराणसी राजमार्ग पर जगतपुर क्रॉसिंग पर बन रहे रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) की एक लेन पर साल के पहले दिन दोपहिया वाहन दौड़ने लगे। फोर लेन ब्रिज का निर्माण कार्य फरवरी 2022 में शुरू हुआ था। 66 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे ब्रिज की लंबाई 612.31 मीटर है। इसके लिए सैदाबाद के आसपास कुछ किसानों की 873 वर्ग मीटर जमीन सेतु निगम ने अधिगृहीत की थी। इस जमीन के सापेक्ष तीन लाख 64 हजार रुपये मुआवजा दिया गया था। एक लेन से आवागमन शुरू होने पर जगतपुर क्रॉसिंग पर रोजाना लगने वाले घंटों जाम की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक अनिरुद्ध प्रकाश ने बताया कि ब्रिज की दूसरी लेन 10 जनवरी तक बनकर तैयार हो जाएगी।

साल की साप्ताहिक विदाई, आबकारी की 20 करोड़ कमाई

प्रयागराज। साल 2024 बीतने के साथ ही आबकारी विभाग की झोली भरने वाला रहा। शहरियों ने बढ़ती ठंड में अंतिम सप्ताह में 20 करोड़ रुपये से अधिक की शराब गटक ली। अभी विभाग अंतिम दिन के आंकड़े नहीं जुटा पाया है, लेकिन एक सप्ताह की बिक्री और आखिरी दिन शाम तक खाली होती दुकानों और गोदाम में बढ़ती मांग को देखकर अनुमान है कि पांच करोड़ के आसपास की बिक्री 31 दिसंबर को हुई होगी। नए साल में पीना, पिलाना और जश्न मनाना एक शगल सा हो गया है। इस बार 25 से 30 दिसंबर के बीच शहरियों ने जमकर शराब पी। आबकारी विभाग के अफसरों की मानें तो लगभग 20 करोड़ की शराब इन पांच दिनों में बिकी है। इसमें आठ करोड़ रुपये की देसी शराब की बिक्री हुई है, जबकि साढ़े सात करोड़ रुपये की अंग्रेजी शराब की बिक्री हुई है। बियर की बिक्री अपेक्षाकृत कम हुई, इसका कारण ठंड रहा। अफसरों का कहना है कि साढ़े चार करोड़ रुपये के आसपास की बियर इस बार बिकी है। अब तक 31 दिसंबर के आंकड़े नहीं आ सके हैं। इतना जरूर है कि साल के आखिरी दिन अधिकांश दुकानों पर शाम को माल खत्म होने लगा तो गोदाम से मांग बढ़ी। ऐसे में उम्मीद है कि इस दिन पांच करोड़ रुपये के आसपास की शराब बिकी होगी। जिला आबकारी अधिकारी सुशील कुमार मिश्र का कहना है कि इस ठंड के समय में जाते साल में लोगों ने खूब शराब पी। 20 करोड़ रुपये के आसपास की शराब की बिक्री हुई है।

16 माह बाद भी जारी नहीं हुआ पीसीएस जे का कटऑफ, सवालों के घेरे में पूरी प्रक्रिया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने पीसीएस जे परीक्षा–2022 की चयन प्रक्रिया महज साढ़े छह माह में पूरी कर ली थी लेकिन चयन परिणाम जारी होने के 18 माह बाद भी आयोग परीक्षा का कटऑफ व अभ्यर्थियों के प्राप्तांक जारी नहीं कर सका है। कोर्ट के आदेश पर केवल 23 याचिकाकर्ताओं के प्राप्तांक जारी किए गए हैं। फिलहाल, अब पूरी चयन प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में है। मुख्य परीक्षा में कॉपियों की अदला–बदली के बाद आयोग को परिणाम संशोधित करना पड़ा। अब पूरे मामले की जांच न्यायिक आयोग के पास है। पूर्व में आयोग पीसीएस व पीसीएस जे परीक्षा का चयन परिणाम जारी करने के साथ ही परीक्षा का कटऑफ व परीक्षार्थियों के प्राप्तांक जारी कर देता था लेकिन पिछली कुछ परीक्षाओं से इसमें विलंब होने लगा है। आयोग को कटऑफ व प्राप्तांक जारी करने में साल भर से अधिक समय लग जा रहा है। पीसीएस जे–2022 का चयन परिणाम जारी हुए एक साल चार माह बीत चुके हैं लेकिन आयोग ने कटऑफ अंक जारी नहीं किए हैं। पीसीएस जे–2022 की प्रारंभिक परीक्षा 12 फरवरी 2023 को आयोजित की गई थी और प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 16 मार्च को जारी कर दिया गया था। प्रारंभिक परीक्षा में 3145 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया था। इसके बाद मुख्य परीक्षा व इंटरव्यू का आयोजन किया गया और 30 अगस्त 2023 को 302 पदों का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया गया। पीसीएस जे प्रारंभिक परीक्षा से लेकर अंतिम चयन परिणाम जारी करने तक की प्रक्रिया साढ़े छह माह में पूरी कर ली गई। अभ्यर्थी सवाल उठा रहे हैं कि आयोग पीसीएस जे परीक्षा का कटऑफ जारी करने में विलंब क्यों कर रहा है। कॉपियों की अदला–बदली का मामला सामने आने के बाद अभ्यर्थी भी जानना चाहते हैं कि चयन के लिए न्यूनतम व अधिकतम कटऑफ कितना रहा। मुख्य परीक्षा में 3019 अभ्यर्थी शामिल हुए थे और आयोग ने अब तक केवल 23 अभ्यर्थियों के प्राप्तांक ही जारी किए हैं। बाकी अभ्यर्थी भी जानना चाहते हैं कि मुख्य परीक्षा में विषयवार उन्हें कितने अंक मिले। जो अभ्यर्थी इंटरव्यू में पहुंचे, उन्हें कितने अंक दिए गए। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी प्रशांत पांडेय का कहना है कि कटऑफ व प्राप्तांक जारी में हो रही देरी से आयोग की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठ रहे हैं। 23 अभ्यर्थियों के प्राप्तांक जारी किए जाने से स्पष्ट है कि आयोग सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक का वितरण तैयार कर चुका है।

सुरक्षा पर बड़ा सवाल, पकड़ा गया अवैध तरीके से ठहरा विदेशीय श्रद्धालु कैंप में बना चुका था ठिकाना

प्रयागराज में अवैध तरीके से विदेशी नागरिकों के रहने का यह पहला मामला नहीं है। चार महीने पहले यहां युगांडा की एक महिला सिविल लाइंस में अवैध तरीके से स्पा सेंटर में काम करते पकड़ी गई थी। मेला क्षेत्र में एक रूसी नागरिक अवैध तरीके से घूमते हुए पकड़ा गया। जांच में पता चला कि वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी वह पिछले चार महीने से चोरी–छिपे देश में रह रहा था। उसने मेला क्षेत्र के सेक्टर 15 स्थित कैंप में ठिकाना बना रखा था। पुलिस ने उसे वापस भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध लगने पर पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की तो वह घबराने लगा। जानकारी पर स्थानीय खुफिया एजेंसी के अफसर भी आ गए। जांच पड़ताल में विदेशी ने अपना नाम आंद्रे पॉफकॉप और खुद को रूस का बताया। दस्तावेजों की पड़ताल में मालूम हुआ कि उसके वीजा की अवधि 1 सितंबर में ही एक्सपायर हो चुकी है। यह भी पता चला कि वह सेक्टर 15 में ही स्थित श्रद्धालुओं के रेनबो कैंप में ठहरा था। पिछले 15 दिनों से वह यहां रह रहा था। पूछताछ के बाद उसे कमिश्नरेट पुलिस को सौंप दिया गया। विस्तृत जांच पड़ताल के बाद आरोपी को विदेशिक पंजीकरण कार्यालय ले जाया गया। इसके बाद वहां से उसके निर्वासन के संबंध में कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए उसे वापस भेज दिया गया। गौरतलब है कि तीन दिन पहले भी यहां तीन विदेशी पकड़े गए थे। हालांकि बाद में दस्तावेज प्रस्तुत किए थे, जिसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया था। प्रयागराज में अवैध तरीके से विदेशी नागरिकों के रहने का यह पहला मामला नहीं है। चार महीने पहले यहां युगांडा की एक महिला सिविल लाइंस में अवैध तरीके से स्पा सेंटर में काम करते पकड़ी गई थी। वीजा एक्सपायर होने के बाद भी वह यहां चोरी छिपे रह रही थी। आरोप है कि वह स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार में भी शामिल थी। लगातार अवैध तरीके से विदेशियों के रहने के मामले सामने आने से स्थानीय खुफिया एजेंसियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। रूसी नागरिक वीजा अवधि एक्सपायर होने के बाद भी मेला क्षेत्र में रहते मिला। विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए उसे निर्वासित किया गया है। मेला क्षेत्र में आने वाले विदेशियों का सत्यापन कराया जा रहा है।

महाकुंभ में रूस-यूक्रेन की जंग रोकने को संगम पर अनूठा जतन, सती माता करेंगी शिवशक्ति महायज्ञ

प्रयागराज। रूस–यूक्रेन के बीच तीन साल से चल रहे विनाशकारी युद्ध को खत्म कराने में दुनिया के कई देशों की मध्यस्थता असरहीन बेशक साबित हुई, लेकिन महाकुंभ में आईं दोनों देशों की साध्वियां शांति और प्रेम के बीज उगाने के जतन करेंगी। रूस की साध्वी उत्तमिका ओम गिरि और यूक्रेन की आदिशक्ति सती माता युद्ध रोकने के लिए महायज्ञ में आहुतियां देंगी। यूक्रेन के खारकीव के रहने वाले श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी विष्णु देवा नंद सरस्वती की दोनों शिष्याएं एक साथ एक ही हवन कुंड पर शांति महायज्ञ में आहुतियां देंगी। महामंडलेश्वर स्वामी विष्णुदेवा नंद के साथ उत्तमिका ओम गिरि और आदिशक्ति सती माता अखाड़े में पहुंच गई हैं। खारकीव में लगातार मिसाइल हमले से तबाही की तस्वीरों को याद कर रुआंसी हो जाती हैं। वह कहती हैं कि यूक्रेन अपनी धरती बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। आदिशक्ति सती माता बताती हैं कि वहां कदम–कदम पर बारूदी धुएं के गुबार, खौफ और दहशत के अलावा कुछ भी नहीं है। फिलहाल, सती माता मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की पावन त्रिवेणी में तीन पहर डुबकी लगाकर शांति को शिव शक्ति महायज्ञ में आहुतियां देंगी। यह महायज्ञ सेक्टर–18 में 25 से 30 जनवरी तक चलेगा। इसमें विश्व समुदाय के 200 से अधिक विदेशी साधु और साध्वियां आहुतियां देंगी। महायज्ञ की तैयारी यूक्रेन के संत महामंडलेश्वर स्वामी विष्णुदेवा नंद खुद कर रहे हैं। इसमें जापान और कनाडा के भी संत उनके साथ हैं। उत्तमिका ओम गिरि कहती हैं, दोनों देशों में शांति की नई बयार जरूर है। सती माता कुंडलिनी जागृत करने का महाकुंभ में अभ्यास भी करा रही हैं। वह फेसबुक पर भी ऑनलाइन कुंडलिनी पाठ्यक्रम से लोगों को जोड़ती हैं। उनका मानना है कि कुंडलिनी जागरण से ही अवसाद से मुक्ति पाई जा सकती है। यह गहन साधना है।

शरीर पर भस्म लगाए महादेव की भक्ति में रमे नौ वर्षीय नागा संन्यासी गोपाल गिरि

प्रयागराज। संगम की रेती पर नौ वर्षीय नागा संन्यासी गोपाल गिरी महाराज शरीर पर भस्म लगाए महादेव की भक्ति में रमे हैं। वह हिमाचल के चंबा से यहां पर आए हैं। तीन वर्ष की आयु में ही उनके माता–पिता गुरु दक्षिणा में नागा संन्यासी को सौंप दिए थे। गोपाल गिरी श्री शंभू पंचदशनाम आवाहन अखाड़ के नागा संन्यासी हैं। उनके गुरु थानापति सोमवार गिरी महाराज हैं। वहीं इस कड़ाके की ठंड में गोपाल गिरी निर्वस्त्र अपने गुरु भाइयों के साथ शरीर पर भस्म लगाए महादेव जी की भक्ति लीन रहते हैं। माता–पिता के बारे में पूछने पर वह कहते हैं कि गुरु ही उनके माता–पिता हैं। उनकी सेवा और प्रभु की भक्ति करने में ही उन्हें परमानंद की अनुभूत होती है। उन्हें अपने परिवार के बारे में कुछ नहीं पता हैं। गुरु भाई कमल गिरी बताते हैं कि गोपाल मूल रूप से बरेली के अकबरपुर गांव के रहने वाले हैं। वह चार भाईयों में सबसे छोटे थे। उनके परिवार की बड़े लोगों में गिनती होती है। वहीं कम उम्र में बेटे को संन्यासी बनाने के सवाल पर कमल गिरी महाराज कहते हैं कि एक बच्चा दान करने पर उस परिवार को सात जन्मों का पुण्य मिलता है। उनकी सात पीढ़ी के पाप तर जाते हैं। गोपाल गिरी के गुरु भाई कमल गिरी बताते हैं कि कम उम्र के नागा संन्यासियों को आश्रम में सुबह से लेकर शाम तक पूजा–आरती, संस्कार और तलवार भाला जैसे अस्त्र–शस्त्र चलाने की शिक्षा दी जाती है। वह अन्य बच्चों की तरह खेलकूद नहीं करते हैं। वह अपना पूरा जीवन गुरु व भगवत प्रेम को समर्पित कर देते हैं। महाकुंभ में अटल अखाड़े के राजसी प्रवेश के दौरान अमरोहा से आए दस वर्षीय नागा संन्यासी शिवानंदी आकर्षण का केंद्र रहे। हर कोई छोटे संयासी को अपने कैमरे में कैद करने को आतुर दिखा। एक नागा संयासी ने बताया कि शिवानंदी को दो वर्ष की आयु में दीक्षा दी गई थी।

गूगल मैप से नहीं, आज भी यजमान झंडे से करते हैं पंडों की पहचान

प्रयागराज। महाकुंभ में हर पंडों के झंडों की अपनी अलग कहानी है। कोई रेलगाड़ी तो कोई झंडे पर दो सांपों का निशान बनवाए है। यही नहीं, इनके नाम भी आकर्षक हैं। किसी ने लल्ला परगन पंडा रेलगाड़ी का झंडा तो किसी ने सोने के नारियल वाले के रूप में अपनी पहचान बनाई है। कोई नागफनी वाले के नाम से तो कोई पीतल के घोड़े वाले और कोई तेगा तलवार के नाम से जाना जाता है। पंडे कहते हैं कि कंपनियों की तरह ई झंडा हमार ट्रेडमार्क है। इसका

निर्माण हमारे पूर्वजों ने यजमानों की सुविधा के लिए किया था, ताकि कोई नाम भूल जाए तो निशान से पहुंच जाए। पंडा सोमेश्वर नाथ तिवारी ने बताया कि उनको दो नागों के फन का निशान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के दादा ने उनके बाबा को दिया था। तब से उनका परिवार यजमानी कर रहा है। प्रयागवाल के पंडा राजू पांडेय ने बताया कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान उनके यजमान हैं। शिवराज के दादा, परदादा और उनके पूर्वज राजू पंडा के पूर्वजों के पास आते थे। एमपी के पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल भी उनके यजमान हैं। राजू बताते हैं कि उनके शिविर में नर्मदा पुरम, सिहोर, रायसेन और बैतूल के यजमान आते हैं। पंडा राजकुमार मिश्रा के झंडे का निशाना सोने का नारियल है। उनका दावा है कि कई यजमान दस पीढ़ियों से लगातार इन्हीं के यहां आ रहे हैं। पंडा सोमेश्वर नाथ तिवारी के यहां ग्वालियर से माता की अस्थियां लेकर आए यजमान विवेक देशमुख बताते हैं, झंडों से पहचान करने में आसानी होती है। हम अपने पंडों के यहां आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे हम ठगे भी नहीं जाएंगे। कोई दूसरा व्यक्ति हमें अपना पंडा बताकर ले नहीं जा सकेगा, क्योंकि एक निशान एक ही पंडे के पास होता है।

अतिथियों के लिए टीवी तो कोई खरीद रहा बेड, कमरे भी बनवाए

प्रयागराज। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए शहर के लोगों ने अपने आशियानों को सजाना शुरू कर दिया है। अब तक 213 लोगों ने अपने घरों के एक हिस्से को पेइंग गेस्ट हाउस योजना के तहत पर्यटन विभाग में पंजीकृत कराया है। इन लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए टीवी और बेड खरीदे हैं। सीसीटीवी कैमरे और वाटर प्यूरीफायर लगवाए जा रहे हैं। पूजा के लिए कमरों में देवी–देवताओं की प्रतिमाएं भी रखी ही गई हैं। वहीं, एक व्यक्ति ने

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो नए कमरे भी बनवाए हैं। मोहत्सिमगंज निवासी समीर पांडेय बताते हैं कि अपने घर के पांच कमरे को निर्मला इन के नाम से पेइंग गेस्ट रूम के रूप में दर्ज कराया है। यहां पांच नए डबल बेड, पांच टीवी, गीजर के साथ सीसीटीवी भी लगवाया है। इन सबसे अब तक लगभग 2.5 लाख रुपये खर्च हुए हैं। ओडिशा के काजू व्यापारी धीरेंद्र महापात्रा ने उनके घर रुकने के लिए पांच से आठ जनवरी तक बुकिंग कराई है। उनके साथ परिवार के 15 लोग संगम में डुबकी लगाने आएंगे। इसी तरह महाराष्ट्र, लखनऊ और बरेली से भी श्रद्धालुओं ने बुकिंग कराई है। छिवकी निवासी संजय मिश्रा बताते हैं कि उन्होंने घर के प्रथम तल के छह कमरों को प्रयागराज के नाम से पर्यटन विभाग में दर्ज कराया है। इसके लिए 10 गद्दे, पांच एलईडी टीवी और सीसीटीवी भी लगवाया है। प्रदेश के अलावा सतना और अहमदाबाद से आने वाले लोगों ने यहां ठहरने की इच्छा जताई है। नैनी एफसीआई के पास रहने वाले राजेश श्रीवास्तव ने भी घर के दो कमरों को नक्षत्र होम स्टे के नाम से पर्यटन विभाग में दर्ज कराया है। उनके यहां तो 13 और 14 जनवरी की 2500 रुपये में बुकिंग भी हो गई है। इस राशि में वह मेहमानों को सुबह की चाय और नाश्ता भी देंगे। यहां मुंबई से दो लोग भी आएंगे। इसके अलावा वडोदरा से भी फोन कर पूछताछ की गई। तुलाराम बाग में गीता निकेतन मंदिर के सामने वाली गली में सुधांशु श्रीवास्तव ने श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्था के लिए दो कमरे बनवाए। यहां नया टीवी, बेड और गीजर भी लगवाया है। सरकार ने 500 घरों को पेइंग गेस्ट के रूप में लाइसेंस देने के लक्ष्य से इसको लागू किया था, लेकिन अब तक मात्र 213 लोगों ने आवेदन पत्र लिया है। इसमें से 40 लोगों को लाइसेंस दिया गया है। 61 लोगों के दस्तावेज मानक के अनुरूप हैं। जल्द ही इन सभी को प्रशिक्षण देकर लाइसेंस जारी किया जाएगा। वहीं, श्रद्धालुओं की देखरेख और उनसे अच्छा व्यवहार करने की मकान मालिकों को ट्रेनिंग दी गई। पर्यटन विभाग ने 100 से ज्यादा लोगों को पांच दिन की ट्रेनिंग दी गई है। इसके माध्यम से सभी को प्रयागराज के विभिन्न पर्यटक स्थल के बारे में भी बताया गया।

पेशवाई में उत्तराखंड की संस्कृति के दर्शन भी होंगे

महाकुम्भ प्रयागराज में देव भूमि उत्तराखण्ड के चारों धामों और यहां की संस्कृति और विरासत के भी दर्शन होंगे। ज्योतिष पीठ बदरीकाश्रम हिमालय के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द महाराज की 9 जनवरी की विराट और भव्य पेशवाई में उत्तराखण्ड के चारों धामों की पवित्र झांकी और कुमाऊं गढ़वाल में पवित्र अनुष्ठानों में बजने वाले ढोल दमाऊ, रणसिंगे, शंख, तुरही के स्वर और थाप भी गूजेंगे। यह जानकारी देते हुए ज्योतिर्मठ बदरिकाश्रम हिमालय के प्रभारी ब्रह्मचारी मुकुंदानन्द ने बताया कि महाकुम्भ में देव भूमि उत्तराखण्ड की देव संस्कृति और विरासत के दर्शन ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य के सानिध्य में में होंगे। 13 जनवरी से आरम्भ होने वाले महाकुम्भ में सनातन धर्म के आचार्य ज्योतिष के शंकराचार्य की भव्य पेशवाई के बारे में बताते हुए ज्योतिर्मठ के प्रभारी ब्रह्म चारी मुकुंदानन्द महाराज ने बताया 9 जनवरी को शंकराचार्य महाकुम्भ प्रयागराज पहुंचेंगे। उनकी भव्य विराट पेशवाई में हजारों संत महात्मा, श्रद्धालु शामिल होंगे। ऊंट हाथियों के साथ निकलने वाली पवित्र पेशवाई में सबसे आगे गौ माता रहेंगी। ज्योतिष बदरिकाश्रम हिमालय के शंकराचार्य पद पर विराजमान होने के बाद शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द महाकुम्भ में शामिल होंगे। प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुम्भ में शंकराचार्य की पेशवाई में उत्तराखण्ड के पवित्र और विश्व प्रसिद्ध आस्था के चार धामों की झांकी और उत्तराखण्ड के वाद्य यंत्र खास आकर्षण होंगे।

रंगकर्म (नाट्य-कला) अद्भुत भाव संप्रेषण की सबसे प्राचीन ललित कला है--मुख्य अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा'

अभिनव सांस्कृतिक संस्था ने पूरे किए सांस् तिक कार्यक्रमों से भरपूर गौरवशाली 45 वर्ष'

अभिनव संस्था के स्थापना दिवस पर कलात्मक संगोष्ठी सपन्न'

प्रयागराज ।इस वर्ष 2025 में सांस्कृतिक संस्था 'अभिनव' प्रयागराज ने अपने संस्थापना दिवस एक जनवरी को आज 45 वर्ष पूर्ण करते हुए पहले की स्मृति परम्परा को पुनर्स्थापित करते , संस्था के यश समृद्धि के लिए, विधिवत पूजा यज्ञ हवन एवं कलात्मक संगोष्ठी कार्यक्रम अपने कार्यालय काला डांडा हिम्मतगंज के प्रेक्षा दीर्घा में सम्पादित किया। इस पावन अवसर पर एक रंग गोष्ठी ष्रंगकर्म में ललित कलाओं की उपयोगिताष की सफल गोष्ठी अंतरराष्ट्रीय ख्यातिलब्धा कवि–चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई । सर्वप्रथम मुख्य अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा का माल्यार्पण अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह से संस्था अध्यक्ष शैलेश श्रीवास्तव द्वारा सम्मानित किया गया। 45वें साल से 46वें साल में प्रवेश करते हुए..ष्अभिनव, प्रयागराज ष के संस्थापना दिवस के अवसर पर ष्रंगकर्म में ललित कलाओं की उपयोगिताष संगोष्ठी पर

अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा कहां कि रंगकर्म (नाट्य–कला) ही अद्भुत भाव संप्रेषण की सबसे प्राचीन ललित कला है इसमें अन्य ललित कलाओं का सामंजस्य पूर्ण सदुपयोग हीष इसको सबसे ज्यादा प्रभावशाली बनाता है एवं प्रसिद्ध वरिष्ठ रंगअभिनेत्री प्रतिमा श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि रंगकर्मी अपने नाटकों में अनेको रंगो का, संगीत का प्रयोग तो करते हैं पर बहुधा वो इसके आनुपातिक प्रयोग को भूल जाते हैं और इसकी वजह से अच्छे से अच्छे नाटक का कचरा वह खुद कर लेते हैं । वरिष्ठ बांग्ला–हिन्दी नाटको की रंग अभिनेत्री सुजाता सिन्हा ने कहा कि बांग्ला रंगमंच में ललित कलाओं का शत–प्रतिशत सदुपयोग होता रहा है जबकि हिंदी रंगमंच में अक्सर इसका समझदारी से ललित कलाओं का उपयोग कई बार कम देखा गया है। जिन हिंदी रंगमंच में ललित कलाओं का समझदारी से हुआ उन्हे पूर्णतः समृद्ध पाया और ऐसे हिन्दी नाटको की सफलता को मैने स्वयं अनुभव किया है। संस्था के प्रथम सचिव तथा वरिष्ठ रंग अभिनेता श्री प्रमिल अस्थाना जी ने संस्था के पहले नाटक से अब तक के नाटकों के तुलनात्मक प्रगति पर हर्ष व्यक्त किया। वरिष्ठ रंग अभिनेता प्रदीप कुमार ने अपने रंग निर्देशक अवधेश चन्द्रा के साथ के अपने रंगानुभव साझा किया। वरिष्ठ अभिनेता आशीष सिन्हा ने रंगकर्म मे प्रयोग होने वाली कला संसाधनो की वित्तीय स्थितियों पर प्रकाश डाला। युवा रंग अभिनेत्री शादामा खातून, शुभा अस्थाना इत्यादि ने अपने सारगर्भित विचार रखे। अंत में संस्था सचिव अमरेश श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

'नववर्ष के उपलक्ष्य में शहर समता विचार मंच की ऑनलाइन काव्यगोष्ठी गूगल मीट द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न

प्रयागराज ।शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित नववर्ष के उपलक्ष्य में महिला काव्यगोष्ठी का आयोजन गूगल मीट द्वारा शहर समता विचार मंच के सचिव उमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि रचना सक्सेना ,विशिष्ट अतिथि निशा अतुल एवं सीमा वर्णिका रही। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया

गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अनीता दुबे ने दी ।काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में आशा जाकड़, अनामिका तिवारी, संतोष मिश्रा दामिनी, पूनम पांडे, संगीता वर्मानी साध्य, अनामिका शर्मा अनु, साधना खरे, सुनीता गुप्ता आदि ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

सख्त हुए सर्दी के तेवर, हाईवे पर बढ़े हादसे

–सुबह शाम कोहरे की चादर में पिलटे रहे हाईवे

–डीएम ने किया रैन बसेरों का निरीक्षण, बांटे कंबल

मथुरा। सर्दी के तेवर सख्त हो गये हैं। न्यूनतम तापमान लगातार नीचे खिसक रहा है। गलन बढ़ने से लोगों की मुश्किल बढ़ रही हैं। रात का न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सुबह शाम कोहरे की चादर में पिलटी हुए गुजर रही हैं। इससे हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम रही है और हादसे बढ़ गये हैं। यमुना एक्सप्रेस वे और हाईवे पर रात के समय कई हादसे हुए। हालांकि हादसों को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाये गये हैं। बृहस्पतिवार को सीजन का पहला कोहरा पड़ा तो तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहन रेंग रेंग कर चलते सफर पूरा करते रहे। शहर में भी यही दिक्कत रही। दृश्यता 50 मीटर से कम होने के कारण वाहन लाइट जलाकर चलने को मजबूर हो गए। यही हाल शहर के अंदर की सड़कों पर था। वहीं छोटे छोटे बच्चे और बुजुर्ग अलाव का सहारा लेते हुए दिखाई दे रही है। मौसम में ठंडक हो गई। लोग गर्म कपड़े पहनकर निकलने लगे। वही जगह जगह पर लोग अलाव का सहारा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं छोटे बच्चे हो या फिर बुजुर्ग उनका अब सिर्फ अलाव ही एक बचाव बना हुआ है। हालांकि दो दिन से दोपहर के बाद धूप निकलने से लोगों को राहत मिली। नगर निगम और नगर पंचायतों की ओर से रैन बसेरों की व्यवस्था की गई है। जिलाधि ाकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने रात के समय रैन बसेरों का निरीक्षण किया। वहां रुके हुए लोगों से बात की और अधीनस्थ अधिकारियों को कमियों को पूरा करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने जरूरतमंद लोगों को इस दौरान कंबलों का वितरण किया।

किसान समस्याओं से आक्रोशित भाकियू भानु ने राया में किया प्रदर्शन,सौंपा ज्ञापन

मथुरा। राया के ब्लॉक परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ और जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने बिजली घर और ब्लॉक पर किसान समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सैकड़ो आक्रोशित किसानों ने नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया। किसान समस्याओं का समाध ाान न होने पर बड़े किसान आंदोलन की चेतावनी देते हुए बिजली घर और ब्लॉक के अधि ाकारियों के प्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा। वहीं किसानों की समस्याओं के समाधान का चार दिन में करने का आश्वासन किसानों को दिया गया। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ और जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान ने बताया कि किसानों की गेहूं की फसल कोथ पर है बेसहारा पशु उनकी फसल को खाकर नष्ट कर रहे हैं ब्लॉक के अधिकारी केवल तमाशबीन बने हुए है वहीं किसानों को बिजली की सप्लाई बहुत कम दी जा रही है जिससे सिंचाई की समस्या उत्पन्न हो रही है। किसान कड़ाके की ठंड में अपनी फसल की निगरानी रात भर जाग जाग कर रहे हैं कोई उनकी सुनने वाला नहीं हैं जब किसान शिकायत करने सरकारी कार्यालय जाते हैं तो अधिकारी अनुपस्थित मिलते है। राया में किसानों के प्रदर्शन के दौरान खंड विकास अधिकारी और उपखण्ड अधिकारी की गैर मौजूदगी में उनके प्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा गया है। इस दौरान भाकियू भानु के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ,राष्ट्रीय सचिव विजय पाल सिंह, जिलाध्यक्ष देवेंद्र पहलवान,गिर्राज हवलदार, गुड्डा,जगदीश रावत,ठाकुर रीत राम,लक्ष्मी नारायण,सुरेन्द्र चौध ारी, छतरपाल सिंह,भगवान सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा और सपा के बीच छिड़ा पोस्टर वॉर

बीजेपी के पोस्टर पर समाजवादी पार्टी का पलटवार

लखनऊ, संवाददाता। नए साल पर एक बार फिर बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच पोस्टर की जंग शुरू हो गई है। नए साल के मौके पर बीजेपी दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर के जवाब में समाजवादी पार्टी की तरफ से एक पोस्टर जारी किया गया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निवास के सामने एक पोस्टर लगा है जिसमें, बुलडोजर पर निशाना साधा गया है।समाजवादी पार्टी के लखनऊ पश्चिम विधानसभा के सचिव रंजीत सिंह द्वारा लगाए गए इस पोस्टर में लिखा गया है, सपा के राज में बुलडोजर जाएगा गैराज में। बुलडोजर में नहीं रह गया कोई दम, साइकिल दिखाएगी 27 में दम। सपा के इस पोस्टर को बीजेपी के उस पोस्टर का जवाब मन जा रहा है, जिसमें अल्पसंख्यक मोर्चे के सदस्य शम्सी आजाद ने लिखा था, चरखे से क्रांति आई, बुलडोजर से शांति आई ।अब दोनों ही पोस्टर को लेकर चर्चा शुरू है। उपचुनाव में समय से ही समाजवादी पार्टी और बीजेपी के बीच पोस्टर की जंग छिड़ी हुई है ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान को लेकर दोनों ही दलों द्वारा खूब पोस्टरबाजी की गई ।बीजेपी ने जहां एकजुट होकर सेफ रहने का सन्देश दिया तो वहीं समाजवादी पार्टी की तरफ से पीडीए से जुड़ेंगे और जीतेंगे का नारा बुलंद किया गया ।अब एक बार फिर बुलडोजर को लेकर सियासत तेज है। बीजेपी की तरफ से बुलडोजर को शांति का प्रतीक बताया जा रहा है तो सपा दमनकारी बताकर विरोध कर रही है।

हो सकता है बड़ा प्रशासनिक फेरबद

बदलेंगे कई जिलों के डीएम, कई आईएएस अफसरों का होगा प्रमोशन

लखनऊ, संवाददाता। महाकुंभ से पहले यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होने वाला है। कई जिलों के जिलाधिकारियों को बदलने और कई अफसरों को प्रमोशन देने की तैयारी है। तीन दर्जन से अधिक आईएएस अफसर विशेष सचिव बनेंगे। आईएएस अफसरों के तबादलों की सूची पर मंथन जारी है, जिसमें कई नाम शामिल हैं। लखनऊ, वाराणसी, गाजियाबाद, मथुरा, कानपुर सहित कई अन्य जिलों के जिलाधिकारी बदल जायेंगे। इन पांचों जिलों के वर्तमान जिलाधिकारियों को सचिव बनाया गया है। 35 अन्य अफसर भी विशेष सचिव से सचिव पद पर प्रमोट हुए है। प्रोन्नत अफसरों को नई जिम्मेदारी सौंपी जायेगी। जिन जनपदों के जिलाधिकारियों को सचिव बनाया गया है, वहां नये डीएम की तैनाती की जायेगी। प्रमोट किये गये जिलाधिकारियों को भी नए विभाग दिए जाएंगे। कई मंडलायुक्तों के भी बदलने की संभावना है क्योंकि कई मंडल आयुक्त प्रमोशन पा चुके है। उन्हें भी नई जगह मिलेगी ।2000 बैच के कई आईएएस अफसरों की पदोन्नति दी है। पदोन्नत अफसरों में 2000 बैच के सौरभ बाबू, दीपक अग्रवाल, अमित गुप्ता, मनीष चौहान, रंजन कुमार, अनुराग यादव और रणवीर प्रसाद की प्रमुख सचिव पद पर पदोन्नति दी है। 2009 बैच के 40 अफसरों को भी सचिव बनाया गया है। इनमें सूर्यपाल गंगवार, एस राजालिंगम, शैलेंद्र कुमार सिंह,राकेश कुमार सिंह–द्वितीय, इंद्र विक्रम सिंह प्रमुख रूप से शामिल है। ये अफसर अब तक जिलाधिकारी के पद पर तैनात थे। अब इन्हें नई तैनाती दी जायेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्वीकृति मिलते ही नई नियुक्तियां होगी और अफसरों को नये पद पर तैनाती मिल जायेगी।

'भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने शुरू किया सदस्यों का सामूहिक दुर्घटना बीमा'

'महानगरों को परिक्षेत्रों में विभक्त कर बनाये जाएंगे जिलाध्यक्ष'

'संगठन को नये स्वरूप में लाने की महायोजना रजत जयंती वर्ष में लागू'

प्रयागराज। देश भर के मान्य पत्रकारों साहित्यकारों और कलमकारों के सम्मान सुरक्षा व शक्ति के लिए कृतसंकल्पित संगठन 'भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ' द्वारा अपने रजत जयंती वर्ष के अवसर पर सदस्यों को सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना से संपृक्त करने का निर्णय केन्द्रीय संचालन समिति द्वारा लिया गया है जो पूर्णतः स्वैच्छिक होगी और उसे जनवरी 2025 से क्रियान्वित किया जाएगा । महासंघ के विस्तार के लिए अब महानगरों को परिक्षेत्रों में विभक्त करके नवीन इकाइयों का गठन किया जाएगा और संगठन को नये स्वरूप में लाने की महायोजना को इस रजत जयंती वर्ष में पूरी तरह क्रियान्वित किया जाएगा । गत वर्ष जिन तहसील जिला मण्डल प्रदेश इकाइयों के द्वारा अपना शपथ ग्रहण समारोह नहीं कराया गया था उन्हें समाप्त कर दिया गया है द्य अब नये स्वरूप में उनके गठन की प्रक्रिया सदस्यता ग्रहण करने के बाद की जाएगी द्य राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक इकाइयों में आजीवन सदस्यता की अनिवार्यता में अब कोई भी शिथिलता नहीं बरती जाएगी द्य महासंघ के संविधान के अनुसार नहीं सक्रिय एवं समायोजित होने वालों को पहले भी बाहर किया जा चुका है और ऐसे पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया गया है जो अपने दायित्व निर्वहन में लापरवाही दिखा रहे थे । 'राष्ट्रीय संचालन समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि शीघ्र ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कुछ पदाधि ाकारियों के साथ साथ मध्य प्रदेश की प्रदेश इकाई घोषित कर दी जाएगी जिसकी सूची अनुमोदन के लिए प्राप्त हो चुकी है द्य कुछ प्रकोष्ठ प्रभारी और मण्डल तथा जिले के भी पदाधिकारियों की घोषणा की जा सकती है जिनकी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है' । केन्द्रीय संचालन समिति में नामित पदाधिकारी केन्द्रीय कार्यकारिणी में भी शामिल हैं और उनको कुछ अतिरिक्त प्रभार भी दिये जाएंगे जिससे आगामी माह में होने वाले राष्ट्रीय महाधि ावेशन को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया जा सके ।

हम न डरेंगे न झुकेंगे न पीछे हटेंगे : अनुप्रिया पटेल

कोई किसी नेता और कार्यकर्ता की प्रतिष्ठा पर आंच आई तो छोड़ेंगे नही

लखनऊ, संवाददाता। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल लखनऊ पहुंची। उन्होंने आज लखनऊ में सूबाई दफ्तर में आयोजित पार्टी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आपके नेता के मन में कुछ पीड़ा थी, उन्होंने अपनी रखी है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि अपना दल के किसी भी कार्यकर्ता या नेता की प्रतिष्ठा पर आंच आएगी तो हम कतई समझौता नहीं करने वाले, हमें जवाब देना आता है,हम छोड़ेंगे नही। अपना दल के खिलाफ जो षडयंत्र चल रहे हैं वो कहां, किसके इशारे पर चल रहे हैं हमारा कार्यकर्ता जानता है। जब हम पिछड़ों के हक मारने पर सवाल करते हैं तो किसी न किसी के पेट में दर्द जरूर होता है लेकिन हम न किसी से डरेंगे, न झुकेंगे न पीछे हटेंगे। कोई कितना क्यों न डराए, संगठन की ताकत से उन्हें जवाब दें। ये सारे षड्यंत्रकारी एक कोने में हो जाएंगे।

2027 में हम फिर बनायेंगे सरकार : भूपेंद्र

इसी महीने हो जायेगा भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सपा का चरित्र रहा है सनातन धर्म को कलंकित करना। संभल में सर्वे कोर्ट के आदेश पर हो रहा है ।सपा के लोग साध ु–संत और महात्माओं पर बयानबाजी करते हैं। सनातन को गाली देना उनका एजेंडा है। भाजपा संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया पर कहा कि प्रदेश में अभूतपूर्व सदस्यता अभियान चलाया है। ढाई करोड़ सदस्य ऑनलाइन बनाए गए हैं और ढाई लाख सक्रिय सदस्य बनाए गए हैं ।डेढ़ लाख बूथ कमेटी बन चुकी है। हमारे 1918 मंडल हैं और हमारे सभी चुनाव कर लिए गए हैं लेकिन राज्य स्तर पर उसकी स्क्रीनिंग का काम चल रहा है। मंडलों में आरक्षण की मूल भावना को ध्यान में रखकर समाज के सभी वर्गों को संगठन में उचित स्थान दिए जाने का ध्यान रखा गया है। 15 जनवरी तक जिला अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न कर लेंगे और 20 से 25 तारीख तक प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो जाएंगे और इस माह के अंत तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो जाएगा। संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया को समाप्त करेंगे। संगठन का 3 वर्ष का कार्यकाल है। 3 वर्ष 2027 के लास्ट तक पूरा होगा। 2027 का विधानसभा चुनाव यही संगठन कराएगा ।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि सपा हमेशा से सनातन की विरोधी रही है। अयोध्या में कारसेवकों का नरसंहार कराने का कार्य किया गया। साधु, संत, महात्मा, मठ–मंदिर के बारे में सपा के लोग जिस प्रकार बयानबाजी करते हैं, उनका एजेंडा है सनातन को गाली देकर समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाना।

कुम्भ मेले में श्रृधालुओं के लिए सुविधा एवं सुरक्षा की मांग

लखनऊ, संवाददाता। विभिन्न सामाजिक संगठनो का एक प्रतिनिधीमण्डल प्रयागराज, उ0प्र में कुम्भ मेला 2025 में आने वाले श्रृधालुओ के लिए आवश्यक सुविध ाा एवं सुरक्षा की मांग को लेकर जिलाधिकारी लखनऊ से मिला और उन्हें महामहिम राष्ट्रपति को सम्बेधित एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिध ाीमण्डल का नेतृत्व राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक कर रहे थे। प्रतिनिधीमण्डल में मौजूद लोगों ने मांग की है कि कुम्भ मेले में जो कि 13 जनवरी 2025 से प्रारम्भ होकर 26 जनवरी 2025 तक चलेगा इस अवसर पर श्रृध ाालु देश के कोने कोने से मेला स्थल पर आयेंगे। जो हवाई, ट्रेन व सड़क मार्ग से आयेंगे व उन्हीं माध्यमों से अपने गृह जनपद वापस भी जायेंगे। श्रृधालुओं के लिए हवाई, ट्रेन व सड़क मार्गों पर आने जाने हेतु सभी व्यापक व्यवस्था का समुचित प्रबंध किया जाना अति आवश्यक है। ताकि मेंले में आने वाले और वापस जाने वाले श्रृधालुओं को कोई असुविधा न हो और साथ ही उन मार्गों पर रहने वाले लोगों को भी किसी प्रकार की असुविधा न हो। कुम्भ मेले की व्यवस्था के सम्बंध ा में प्रतिनिधीमण्डल ने ज्ञापन द्वारा महामहिम राष्ट्रपति से अनुरोध ा किया है कि सरकार को निर्देशित करें कि कुम्भ मेला 2025 के लिए यातायात की समुचित व्यवस्था के साथ हवाई, ट्रेन मार्गों व सड़क मार्गों पर यातायात एवं सुरक्षा के व्यापक, समुचित प्रबंध किये जायें ताकि भीड़ आदि के कारण किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोका जा सके। इसके लिए चिकित्सा, अग्निशमन, यातायात, पुलिस आदि का समुचित प्रबंध एवं अन्य आवश्यक सभी उपाय किये जाना आवश्यक है। ताकि कुम्भ का मेला सुव्यवस्थित, सुरक्षित, मंगलमय और शान्तिपूर्वक तरीके से सम्पन्न हो सके। प्रतिनिध ाीमण्डल में मुख्य रूप से राष्ट्री सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक, जनहित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष हाजी फहीम सिददीकी, राष्ट्रीय भगीदारी आंदोलन के संयोजक पी0सी0कुरील, ईसार फॉडेशन के अध्यक्ष इसरार अहमद सिददीकी, राष्ट्रीय भागीदारी आन्दोलन की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष शमीम वारसी, अब्दुल सईद कुरैशी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

2 करोड़ से बना मॉडल वेंडिंग जोन, 40 दुकानों का हुआ उद्घाटन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के विभूति खंड खंड में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईपीजी) चौराहे के पास मॉडल वेंडिंग जोन बनाया गया है। गुरुवार को नगर विकास मंत्री एके शर्मा और लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल ने वेंडिंग जोन का उद्घाटन किया। करीब 2 करोड़ की लागत से कुल 40 दुकानें तैयार की गई हैं। सभी दुकानें एक ही कलर में रंगी गई हैं। इन दुकानों को पर सड़क किनारे ठेले पर खाने–पीने का सामान बेचने वालों को आवंटित किया गया है। दुकानों में पानी–बिजली और ग्राहकों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। नगर निगम जोन 4 के अधिकारी संजय यादव ने बताया कि 2023 के सर्वे लिस्ट के आधार पर इन दुकानों का आवंटन हुआ है। इसमें लाइटिंग सिस्टम, म्यूजिक सिस्टम, वाश बेसिन, बेंच, खाने–पीने के लिए टेबल, बिजली कनेक्शन सहित अन्य सुविधाएं शामिल हैं। इन दुकानों का किराया 5 हजार रुपए प्रति माह तय किया गया है। सिक्योरिटी मनी के तौर पर 50 हजार रुपए जमा कराए जाएंगे। यह पैसा रिफंडेबल है। दुकान निरस्त होने पर सिक्योरिटी मनी वापस कर दी जाएगी। उद्घाटन के बाद आसपास की दुकानों को इसमें शिफ्ट किया गया है। इस दौरान सजावट भी की गई है। दुकानदारों को 5 हजार रुपए हर महीने किराया देना होगा। शुक्रवार से इन दुकानों का संचालन शुरू हो जाएगा। मेयर सुषमा खर्कवाल का कहना है कि हमने मॉडल वेंडिंग जोन का उद्घाटन किया है। इससे वेंडरों को सुविधा मिलेगी। यहां आसपास में पहले दुकान लगाने वाले लोगों को हटाया गया था। अब उन्हीं को दुकान आवंटित की गई है। सड़क से अतिक्रमण हटाने और वेंडरों को बेहतर जगह देने के मकसद से नगर निगम ने मॉडल वेंडिंग जोन का निर्माण किया है।

सम्पादकीय.......

संकल्पों का नया साल

यूं तो समय अनवरत रूप से अपनी गति से चलता है। लेकिन पर्व–त्योहार और खास दिन उसमें नई उमंग और उत्साह भर देते हैं। यूं तो हर नया साल पहले जैसा ही होता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस समय का कितना बेहतर रचनात्मक उपयोग करते हैं। अपने व परिवार का जीवन कितना ऊर्जावान व सकारात्मक बनाते हैं। दरअसल, कोई साल अच्छा–बुरा नहीं होता, उसके दौरान उत्पन्न होने वाली परिस्थितियां उसकी दशा–दिशा तय करती हैं। यह हमारे विवेक और सजगता पर निर्भर करता है कि हम कैसे विषम परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाते हैं। यह लंबी बहस का विषय रहा है कि एक जनवरी पश्चिमी देशों का नया साल है। यह भी कि उदास मौसम व रक्त जमाती सर्दी में नया साल मनाने का क्या औचित्य है? कहा जाता है कि भारतीय नववर्ष का आगमन उस समय होता है कि जब कुदरत मुस्करा रही होती। सर्दी की विदाई की वेला होती है और ग्रीष्म ऋतु दस्तक दे रही होती है। वृक्षों पर फल–फूल व खेतों में नयी फसल पकने की तैयारी हो रही होती है। लेकिन तसवीर का सकारात्मक पहलू यह है कि एक जनवरी का नववर्ष हमें कड़ाके की सर्दी और उदासी के मौसम में जीवंतता प्रदान करता है। लोग मौसम की तल्खी की परवाह किए बिना जमकर नये साल के उत्सवों में शिरकत करते हैं। जीवन की एकरसता को तोड़कर जीवंतता की ओर उन्मुख होते हैं। हो सकता है कि एक जनवरी को नया साल मनाने की शुरुआत के अन्य कारणों के साथ यह भी एक बड़ी वजह रही हो क्योंकि पश्चिमी देशों में भारी बर्फबारी सामान्य जनजीवन को जमा देती है। इसके बावजूद लोग नये साल के जश्न में घरों से बाहर निकलते हैं। मकसद यही रहा होगा कि सर्दी को नजरअंदाज करके जीवन में उत्सव व उल्लास का संचरण हो सके। निस्संदेह, पर्व हमें उल्लासित करते हैं। जीवन की एकरसता को तोड़ते हैं। नई ऊर्जा व उत्साह का संचार करते हैं। यही पर्वों की सार्थकता भी है। निस्संदेह, भारत पर्व–त्योहारों का देश है। एक तरह से ये पर्व–त्योहार समाज में सेफ्टीवॉल का काम करते हैं। ऐसे समय में जब करोड़ों लोग मनोकायिक रोगों से जूझ रहे हैं, तो पर्व–त्योहार दवा का भी काम करते हैं। दरअसल, महानगरीय जीवन में व्यक्ति गंभीर रूप से आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। कालांतर वहां जीवन भी एकरसता में बदल जाता है। बिना सामाजिक सक्रियता के जीवन की जीवंतता संभव नहीं है। फिर नया साल हमें आत्ममंथन का एक अवसर भी देता है– बीते वर्ष के घटनाक्रम व उपलब्धियों का मूल्यांकन करने और असफलताओं से सबक सीखकर आने वाले वर्ष के लिये नीतियां बनाने के लिये। बहुत संभव है कि हम अपने संकल्पों की कसौटी पर पूरी तरह खरे नहीं उतरते। लेकिन प्रयास किया जाना भी महत्वपूर्ण है। कुछ प्रतिशत तो हमारी कामयाबी होती है। लेकिन इसके बावजूद नये साल के जश्न में अराजक व्यवहार से हमें परहेज करना चाहिए। नशे का नासूर जिस तरह हमारे समाज में घातक असर दिखा रहा है, उससे बचने के उपक्रम तो किये ही जाने चाहिए। हमें शोभा नहीं देता है कि नये साल के जश्न में हम अराजक व्यवहार करके दूसरों के जीवन की शांति को भंग करें। अकसर नशे में तेज गति से दौड़ते वाहन दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। नये साल का जश्न मनाने तमाम लोग पहाड़ों की ओर कूच करते हैं। जगह–जगह से सड़कें जाम होने और होटलों के फुल होने की खबरें आती हैं। हमारी कोशिश हो कि इन पर्यटन स्थलों पर स्थानीय लोगों और पर्यावरणीय चिंताओं का भी ध्यान रखें। हमारा व्यवहार सभ्य और मर्यादाओं के अनुरूप ही हो। उत्सव हमें अराजक व्यवहार का लाइसेंस नहीं देते। हमारे उल्लास व उत्सव मनाने का अधिकार किसी के निजी अधिकारों के अतिक्रमण की आजादी भी नहीं देता। वास्तव में हमें नये साल में अपने व परिवार की खुशियों के साथ देश व समाज की खुशियों के लिये भी संकल्प लेना चाहिए। सवाल यह भी कि बीत रहे साल के आखिरी दिन देर रात तक हुड़दंग करने के बाद हम नये साल के पहले दिन अलसायी सुबह लेकर क्यों उठते हैं। हमारे नये साल का पहला दिन सूर्योदय के साथ ऊर्जावान होना चाहिए।

अमेरिका भक्ति की सीमा तय हो

अरविन्द मोहन

विदेशी मजदूरी/कमाई के इस हिसाब का महत्व तब और साफ दिखता है जब हम पाते हैं कि हमारी जीडीपी में इसका हिस्सा 3.3 फीसदी का हो जाता है और हमारे लिए तो नहीं लेकिन दुनिया के काफी देशों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा इस कमाई के नीचे ही है।

नए साल पर पहली चर्चा खुशखबरी की ही होनी चाहिए. तो खुशखबरी यह है कि बाहर गए भारतीयों द्वारा बीते साल में बाहर की कमाई में से बचत करके देश में पैसा भेजने के मामले में दुनिया में सबसे ऊपर आ गया है और दूर–दूर तक उसे चुनौती मिलती नजर नहीं आ रही है क्योंकि उसके लिए चुनौती बनने वाला चीन काफी पीछे हो गया है। बाहर गए भारतीयों ने इस साल 129.1 अरब डालर की रकम अपने बंधु–बांधवों और देश को भेजी जो वैश्विक हिसाब का 14.3 फीसदी है। चीन का नंबर अब काफी पीछे है और उसका हिस्सा मात्र 5.3 फीसदी का हो गया है जबकि अभी हाल तक वह कभी भी दस फीसदी से नीचे नहीं गया था। भारत के बाद मैक्सिको का नंबर आता है पर अंग्रेजी जानने वाले ऐसे मजदूरों के मामले में पाकिस्तान ही हमारे बाद है जिसका हिसाब और भी पीछे है। विदेशी मजदूरी/कमाई के इस हिसाब का महत्व तब और साफ दिखता है जब हम पाते हैं कि हमारी जीडीपी में इसका हिस्सा 3.3 फीसदी का हो जाता है और हमारे लिए तो नहीं लेकिन दुनिया के काफी देशों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा इस कमाई के नीचे ही है। हमारे लिए भी यह कमाई काफी महत्वपूर्ण खासकर विदेशी मुद्रा की कमाई के लिहाज से भी। और चीन की घटती कमाई पर ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि एक तो अंग्रेजी के चलते उसके बीपीओ क्षेत्र में हमारे जितने मजदूर उपलब्ध भी नहीं हैं। दूसरे वहां युवा आबादी का अनुपात तेजी से कम होने लगा है। और तीसरी वजह उसका खुद का एक बड़ी आर्थिक ताकत बनने से अपने सारे कामगार हाथों को काम उपलब्ध कराना है। दूसरी ओर हम हैं जिसके डालर कमाने वाले श्मजदूरोंश में अंग्रेजी ज्ञान काफी बड़ी ताकत है और बीपीओ क्षेत्र से होने वाली कमाई हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बन गई है। अरब जगत या अन्य देशों में शारीरिक श्रम करके कमाई करने वाले कम नहीं हैं पर भारत में कंप्यूटर क्रांति का मतलब सेवा क्षेत्र से कमाई बढ़ाना है और इस श्सेवाश का लाभ अमेरिका और यूरोप समेत किस–किस देश को कितना मिला है इसका हिसाब लगाने की फुरसत भी हमें नहीं है पर डालर में कमाई के चलते इसकी मात्रा और महत्व दोनों काफी अधिक हैं। मुश्किल यह है कि आज अचानक इस कमाई पर ग्रहण उपस्थित हो गया है।सो पहली खुशखबरी से भी ज्यादा महत्व की चेतावनी यही कि हमारे बीपीओ कारोबार के लिए सबसे बड़ा बाजार अमेरिका अकारण वीजा के नियमों में बदलाव करके भारतीय पेशेवर कम्प्यूटरकर्मियों का अपने यहां काम करना मुश्किल कर रहा है। कई महीने पहले जब डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने चुनाव प्रचार के क्रम में वीसा नियम सख्त करने और श्अवैधश प्रवासियों को भगाने की बात उठाई तब से यह मामला अमेरिका, पूरी दुनिया और वहां काम कर रहे भारतीयों के बीच सर्वोच्च प्राथमिकता का मुद्दा बना हुआ है लेकिन हमारी सरकार और उसकी एजेंसियां कान में तेल डालकर सोई पड़ी हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन(मागा) नाम से पहचान वाले ट्रम्प भक्त हुड़दंग मचाए हुए हैं जबकि ट्रम्प की जीत को अपने जीत बताने वाले भारतीय भक्त इस सवाल पर चुप्पी साधे हुए हैं तो अमेरिकी भक्त लगभग जातीय दंगा शुरू कराने वाली भाषा बोलने लगे हैं। क्योंकि वहां सरकार बदल चुकी है और डोनाल्ड ट्रम्प बस आने ही वाले हैं। ऐसे–ऐसे अपमानजनक और डरावने वीडियो क्लिप भारत तक पहुंचने लगे हैं जिनसे लगता ही नहीं कि अमेरिका कोई सभ्य समाज है। हम जानते हैं कि ट्रम्प के परम सहयोगी और टेसला के मालिक एलन मस्क ने भी उनकी इस राय से सहमति जताई थी और लगातार वीजा नियमों में बदलाव की वकालत करते रहे हैं। नई सरकार पर उनकी छाप के अंदाजे से यह भी घबराहट का विषय बन गया था। अब कारण जो भी रहे हों पर साल जाते जाते मस्क ने अपनी बात थोड़ी हल्की की तब काफी सारे लोगों ने राहत की सांस ली। मस्क ने कहा कि वीजा प्रणाली में गड़बड़ियां हैं और इन्हें दूर किया जा सकता है। अब अवैध ढंग से घुसपैठियों की वकालत कौन करेगा लेकिन वे वीजा–पासपोर्ट वाले तो हैं नहीं। जो लोग वीजा, खासकर एच–1 बी वीसा लेकर गए हैं उनमें अवैध लोग कैसे जा सकते हैं? यह समझ से परे है और फिर उनके खिलाफ आग उगलने का क्या कारण है यह समझना मुश्किल है। हर काम में कमाई करने का अभ्यस्त अमेरिका हर वीजा के लिए 35 हजार डालर की फीस वसूलता है और रेजिडेंसी के स्पांसरशिप के लिए 50 हजार डालर की फीस लेता है। ये लोग अपनी मौजूदगी और बौद्धिकध्शारीरिक श्रम से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में कितना या कैसा योगदान देते हैं (क्योंकि सब बुलाए हुए लोग हैं) वह हिसाब अलग है लेकिन उनकी अमेरिका में तैनाती कराने में ही हमारी साफ्टवेयर कंपनियों का हाल खराब होता है। अब क्या होगा यह कहना मुश्किल है लेकिन इतना ते लग रहा है कि एक बार फिर उनका ही मुंडन प्रमुख रूप से होने वाला है और अगर अमेरिका वीजा या वर्क परमिट को महंगा करता है तो इसका वैश्विक असर होगा। कहना न होगा कि सिर्फ भक्त ही नहीं यहां के भगवान लोगों के लिए भी अभी तक यह समस्या ध्यान देने लायक नहीं बनी है। वे कभी पुजारी तो कभी ग्रंथी की तनख्वाह या मंदिरध्मस्जिद का खेल करके अमेरिका से भी खराब सामाजिक स्थिति का संदेश दुनिया को दे रहे हैं, वे उन रोहिंग्या शरणार्थियों को भी चुनाव में मुद्दा बना रहे हैं जिन्हें आधिकारिक रूप से शरणार्थी बनाया गया है और जिनके प्रति सरकार की जवाबदेही तय है।

जाते–जाते बहुतों को बेनकाब कर गये मनमोहन सिंह

डॉ. दीपक पाचपोर

अपनी कार्य कुशलता और उत्कृष्ट स्वभाव का स्वयं उदाहरण बन चुके पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जाते–जाते बहुतों को बेनकाब कर गये, जिनमें भारतीय जनता पार्टी सहित अनेक कांग्रेस विरोधी दल, कई स्वयंसेवी संगठन और देश का मुख्यधारा का मीडिया है। मनमोहन सिंह के निधन के बाद जिस प्रकार से उनके बारे में बातें हो रही हैंय और जो व्यवहार हो रहा है, वह यह भी बतलाता है कि किस प्रकार से भारत व्यक्तियों एवं परिस्थितियों को पहचानने में गलतियां करता है। वैसे तो अनेक लोगों एवं देश में पहले की परिघटनाओं को समझने–परखने के मामलों में यह होता आया है, लेकिन जिस तरह से मनमोहन सिंह जाते–जाते इन्हें बेपर्दा कर गये हैं, वह भारतीय मानस की बहुत अच्छी पड़ताल करता है। मनमोहन सिंह कई मायनों में अलग तरह के प्रधानमंत्री थे। सिर्फ इसलिये नहीं कि वे गैर राजनीतिक पृष्ठभूमि से आये थे या कांग्रेस के वे उन गिने–चुने पीएम में से रहे जो नेहरू–गांधी परिवार से सम्बद्ध नहीं थे। उनके पास एक बेहतरीन कार्य अनुभव था जिसके बल पर उन्होंने पहले 1991 से 1996 तक वित्त मंत्री रहते और फिर 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में देश को आर्थिक संकटों से उबारा था। कांग्रेस के खिलाफ जहर उगलने वाली विचारधारा ने जब लोगों को बतलाया कि पिछले 60 वर्षों में देश में कुछ भी नहीं हुआ था, तो उसे एक पीढ़ी ने मान भी लिया क्योंकि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी का काल तो उन्होंने देखा नहीं था, पीवी नरसिंहा राव का समय भी वे भूल गये थे जिस दौरान मनमोहन सिंह वित्त मंत्री थे और देश ने आर्थिक उत्थान देखा था। मनमोहन सिंह का पीएम का कार्यकाल वे भूले नहीं थे, लेकिन उनके दिमाग पर एक कुत्सित प्रचार तंत्र ने बताया था कि वह सरकार घोटालेबाज व भ्रष्ट थी। 2014 से आये नये निजाम का सारा वक्त लोगों को यही याद दिलाने में बीता। इसलिये अब तक संसद की सारी कार्रवाइयों में वर्तमान दौर की उपलब्धियों पर चर्चा नहीं होती वरन पिछली सरकारों के कथित भ्रष्टाचारों पर बातें होती हैं जिन्हें कभी सिद्ध नहीं किया जा सका। उल्टे ज्यादातर में वे आरोप गलत ही साबित हुए हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी, खासकर उसके शीर्ष नेतागण अलग–अलग वक्त में कांग्रेस के विभिन्न नेताओं के बारे में एक स्थायी विमर्श के रूप में यह कहते सुने जाते हैं कि श्कांग्रेस ने इसका सम्मान नहीं कियाश या श्उसका सम्मान नहीं किया।श नेहरू के खिलाफ कभी सरदार पटेल को खड़ा किया जाता रहा तो कभी सुभाषचन्द्र बोस को। यह साबित करने के लिये उसे करोड़ों रुपये फूंककर गुजरात में पटेल और इंडिया गेट पर बोस की मूर्ति लगाने से भी गुरेज नहीं रहा। हाल के वर्षों में भाजपा ने एक नया नरेटिव चलाया कि श्पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को कांग्रेस ने महत्ता नहीं दीश, पर इसी पांसे को जब मनमोहन सिंह के नाम से फेंका गया तो वह उल्टा पड़ गया क्योंकि हाल की पीढ़ी ने खुद ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन्हें (मनमोहन) पूरे दस साल अपमानित करते हुए देखा है। वह भूला–बिसरा अध्याय नहीं था। हाल की महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक बदहाली के बरक्स लोग पहले से ही मोदी–काल की तुलना मनमोहन–काल से करते पाये गये हैं। सोशल मीडिया पर इसे लेकर मीम्स और कार्टून बनाये जाते हैं। रसोई गैस, पेट्रोल, रुपये की गिरती कीमत सहित बढ़ते दाम, सरकारी कम्पनियों का मोदी के मित्र कारोबारियों की झोलियों में डालना, बढ़ती बेकारी आदि का तुलनात्मक अध्ययन वैसे तो लम्बे समय से जारी रहा लेकिन सिंह साहब के जाते ही इसकी बाढ़ आयी हुई है। अब हर कोई उनके आर्थिक कदमों की सराहना कर रहे हैं। सम्भवतः डॉ. सिंह की हो रही वाहवाही ने मोदी को चिंतित कर दिया होगा क्योंकि वे दस वर्षों से उन्हें बदनाम करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते थे। संसद हो या उसके बाहर की कोई भी सभा, मोदी का एजेंडा नेहरू के व्यक्तित्व को कोसना तथा मनमोहन के आर्थिक फैसलों की आलोचना करना रहा था। इसके लिये मोदी ने असत्य कथन की सारी सीमाएं लांघी। उन्होंने मनमोहन सिंह के एक बयान को तोड़–मरोड़कर यह तक कहा था कि श्वे देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का मानते थे।श हालांकि उसमें मोदी पूर्णतरू गलत साबित हुए थे क्योंकि मूल बयान वैसा था ही नहीं। संसद में मनमोहन सिंह सरकार को भ्रष्ट साबित करने के लिये मोदी यह तक कह गये कि श्पूर्व पीएम रेनकोट पहनकर नहाते थे। मनमोहन सिंह के निधन के तत्काल बाद से उनके कदमों की जिस तरह से प्रशंसा हुई वह शायद मोदी व भाजपा के लिये चिंता की बात रही होगी। इसलिये मोदी को राष्ट्र के नाम विशेष संदेश प्रसारित कर उनकी तारीफ करनी पड़ी। पहले भाजपा का प्रसार तंत्र उन्हें 'एक परिवार का नौकर', मौन मोहन या रिमोट से चलने वाला पीएमश कहती थी, परन्तु अब जब उनके मजबूत एवं जनहित के फैसले सामने आ रहे हैं तो वह विमर्श जनता के बीच उतारने का साहस भाजपा व उसका प्रचार तंत्र अब तक नहीं जुटा पा रहा है। कांग्रेस ने उनका महत्व नहीं पहचाना, यह कहना तो दूर की बात है। इसके बावजूद डरी हुई सरकार ने मनमोहन सिंह की अंत्येष्टि प्रधानमंत्रियों (पूर्व भी) के लिये निर्धारित राजघाट की बजाये निगम बोध घाट पर करना तय किया तो इसकी जबर्दस्त आलोचना हुई जो यह बतलाता है कि जनता का नजरिया उन्हें लेकर पूरी तरह से बदल गया है। उनकी मौत ने न सिर्फ भाजपा के लिये मुश्किलें खड़ी कीं वरन दूसरी अनेक पार्टियों को भी कठघरे में खड़ा किया है। विशेषकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी को, जिसने मनमोहन सिंह के कार्यकाल में जन लोकपाल आंदोलन खड़ा कर इस सरकार को इतना बदनाम किया कि उसका लाभ भाजपा ले गयी और खुद आंदोलनकारियों का संगठन एक राजनीतिक दल (आप) बन गया। आज आप पार्टी भी मानती है कि मनमोहन सिंह के साथ भाजपा अच्छा सुलूक नहीं कर रही है, लेकिन वह इसका पश्चाताप नहीं कर रही है, और न ही इसके लिये माफी मांग रही है, कि उसने एक अच्छी–भली सरकार को गिराने में अग्रणी भूमिका निभाई। इस आंदोलन के पुरोधा अण्णा हजारे अब मनमोहन सिंह को देश हित में काम करने वाला पीएम बता रहे हैं, तो वहीं आप के अन्य नेता उनके आर्थिक निर्णयों की तारीफ कर रहे हैं। वैसे तो जिस तत्कालीन सीएजी विनोद राय की रिपोर्ट में कथित कोयला घोटाला पाया गया था, उसे काफी पहले सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था, लेकिन किसी ने भी अपने किये पर क्षमा नहीं मांगी। ऐसे सारे तत्वों, संगठनों तथा सियासी दलों को भी जाते–जाते मनमोहन सिंह बेनकाब कर गये। मुख्यधारा का मीडिया भी कम दोषी नहीं, जिसने यह पहचानने की भूल की कि जन लोकपाल आंदोलन एक जनहित में कार्यरत सरकार को गिराने की भाजपायी साजिश थी जो पूर्ववर्ती सरकार को हराने में दो बार नाकामयाब रही। उसने इस आंदोलन में घुसकर अपना उद्देश्य हासिल किया। इसलिये उसे मनमोहन सिंह की सरकार को बार–बार भ्रष्ट साबित करना जरूरी सा हो गया था। विनोद राय की रिपोर्ट गलत होने पर भी मीडिया खामोश रहा जबकि उसे भाजपा–आप की आलोचना करनी थी। दिवंगत डॉ. साहब और कई को बेपर्दा करेंगे। वे कह गये हैं–इतिहास उनके प्रति ऐसा निष्ठुर नहीं होगा जैसा आज का मीडिया है।

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनेयर की संख्या

प्रह्लाद सबनानी

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है। हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फ़िलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है। भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि

विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

अपने शरीर से नफरत करने लगी थी विद्या बालन, आप भी ना करें बरडी शेमिंग को खुद पर हावी करने की गलती

विद्या बालन आज अपनर 46वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने हमें न केवल अपनी एक्टिंग से, बल्कि अपनी जिंदगी जीने के तरीके से भी प्रेरित किया है। पद्मश्री से सम्मानित इस एक्ट्रेस की जिंदगी में ऐसा वक्त भी आया था जब उन्हें बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा था, से में उन्हें खुद से नफरत होने लगी थी। विद्या को हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है, जिसके कारण वह चाहे कितनी भी डायटिंग या वर्कआउट कर ले उनका उनका वजन कम नहीं होता। विद्या बालन ने अपनी हॉर्मोनल समस्याओं के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्हें सबसे पहले खुद को स्वीकार करना पड़ा। उन्होंने यह समझा कि दूसरों से स्वीकृति पाने से पहले खुद को समझना और प्यार करना बहुत जरूरी है। उन्होंने हमेशा पतले या मोटे लुक को दरकिनार कर अपने शरीर के साथ पॉजीटिव रहने पर जोर दिया है। विद्या बालन जैसे उदाहरण हमें प्रेरित करते हैं कि खुद को समझना और स्वीकार करना, हर समस्या का पहला कदम है। हॉर्मोनल असंतुलन एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में किसी विशेष हॉर्मोन का स्तर असामान्य हो जाता है। यह समस्या पुरुषों और महिलाओं दोनों में हो सकती है, लेकिन महिलाओं में यह अधिक सामान्य है। ज्यादातर यह समस्या 35 से 50 साल की महिलाओं में देखने को मिलती है लेकिन हैरानी कि बात यह है कि 70: भारतीय महिलाएं इसके लक्षणों को अनदेखा कर देती हैं।

महत्वपूर्ण हॉर्मोन

1. एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन (महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के लिए)
2. टेस्टोस्टेरोन (पुरुषों के लिए प्रमुख हॉर्मोन)
3. थायरॉइड हॉर्मोन
4. इंसुलिन
5. कोर्टिसोल (तनाव हॉर्मोन)

हॉर्मोनल समस्याओं के कारण

–अत्यधिक मानसिक और शारीरिक तनाव।
–अनहेल्दी खाने की आदतें और पोषण की कमी।
–कम नींद और अनियमित दिनचर्या।
– महिलाओं में प्रजनन से संबंधित हॉर्मोनल समस्या।
– थायरॉइड हॉर्मोन का असंतुलन।
– रजोनिवृत्ति के दौरान हॉर्मोन का बदलना।
– परिवार में पहले से हॉर्मोनल समस्याओं का इतिहास।

हॉर्मोनल असंतुलन के लक्षण

महिलाओं में

1. मासिक धर्म में अनियमितता।
2. अचानक वजन बढ़ना या घटना।
3. त्वचा पर मुंहासे या पिगमेंटेशन।
4. अत्यधिक बाल झड़ना।
5. मूड स्विंग्स और अवसाद।
6. थकावट और ऊर्जा की कमी।
7. चेहरे पर अनचाहे बाल (हिर्सुटिज्म)।

पुरुषों में

1. टेस्टोस्टेरोन का कम स्तर।
2. बालों का झड़ना।
3. मांसपेशियों की कमजोरी।
4. ऊर्जा की कमी और थकावट।
5. यौन समस्याएं।

हॉर्मोनल समस्याओं से निपटने के उपाय

हरी सब्जियां, फल, और फाइबर युक्त भोजन करें। प्रोटीन, ओमेगा–3 फैटी एसिड, और विटामिन्स का सेवन बढ़ाएं। चीनी और प्रोसेस्ड फूड से बचें। योग और मेडिटेशन से भी तनाव को कम किया जा सकता है। योग और मेडिटेशन तनाव कम करने में सहायक हैं, नियमित वॉक या जिम एक्सरसाइज करें। सोने और जागने का नियमित समय बनाएं। थायरॉइड, पीसीओएस, या अन्य समस्याओं के लिए मेडिकल टेस्ट कराएं। विद्या बालन की तरह खुद को स्वीकारें और आत्म–प्रेम विकसित करें। किसी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें यदि अवसाद या तनाव हो।

विद्या बालन की कहानी से सबक

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने से समाधान की राह आसान हो जाती है। हॉर्मोनल असंतुलन एक सामान्य समस्या है, लेकिन सही जीवनशैली, संतुलित आहार, और मानसिक शांति से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। विद्या बालन जैसे उदाहरण हमें प्रेरित करते हैं कि खुद को समझना और स्वीकार करना, हर समस्या का पहला कदम है।

राजनेताओं से लेकर विदेशी क्रिकेटरों की पहली पसंद रही हैं सोनाली बेंद्रे, मना रहीं अपना 50वां जन्मदिन

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री आज भले ही में एक से बढ़ कर एक खूबसूरती देखने को मिलती हो, लेकिन एक वह भी दौर था अभिनेताओं के सामने अभिनेत्रियों के नाम पर बॉलीवुड के पास सिर्फ कुछ ही नाम थे। नब्बे दशक के उस दौर में भी सोनाली बेंद्रे की खूबसूरती और उनके अभिनय ने दर्शकों को अपनी तरफ खूब आकर्षित किया। कैंसर जैसी भयानक बीमारी को मात दे चुकी सोनाली बेंद्रे आज अपने जीवन के आधे बरस पूरे कर चुकी हैं। एक जमाने में पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर भी सोनाली के प्यार में पड़ गए थे। इस खबर ने तब के समय काफी सुर्खियां बटोरी थीं। अपने अभिनय का लोहा पूरी दुनिया में मनवा चुकीं सोनाली बेंद्रे आज लाखों लोगों की प्रेरणा भी बन चुकी हैं। अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का जन्म 1 जनवरी 1975 में मुंबई में हुआ था। सोनाली ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया और वह 90 के दशक में वह इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से एक थीं। उन्होंने 1994 में आयी 'आग' फिल्म से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी। बड़े पर्दे पर आते ही उन्होंने तहलका मचा दिया और लाखों लोगों का दिल जीत लिया। सोनाली बेंद्रे की शुरुआती कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाईं, लेकिन अपनी मासूमियत से वह लोगों के दिल जीतने में कामयाब रहीं। अपनी पहली फिल्म के लिए अभिनेत्री को न्यू फेस ऑफ द ईयर का फिल्म फेयर अवॉर्ड भी मिला था। मॉडलिंग की दुनिया से से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली सोनाली के साथ 1996 में रिलीज हुई शदिलजलेश में अपने अभिनय से लोगों को खूब प्रभावित किया था। सोनाली के किरदार की इस फिल्म में दर्शकों ने खूब सराहना की थी। इसके बाद सोनाली के जीवन में एक ऐसी फिल्म आई जिसने उन्हें खुशी भी दी और एक नई मुसीबत भी। यह फिल्म थी हम साथ–साथ हैं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई एक घटना के कारण फिल्म के अन्य स्टार्स के साथ सोनाली भी मुसीबत में पड़ गई थीं, जिस कारण उन पर भी पर केस दर्ज हो गया था। बेंद्रे का नाम कई दिग्गज जानेमाने लोगों के साथ जुड़ चुका है, जिसमें अभिनेता, राजनेता और क्रिकेटर भी शामिल है। जिसमें पहला नाम था सुनील शेट्टी का। ये दोनों 1997 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म श्भाईश में एक दूसरे के काफी नजदीक आए थे। हालांकि, इनके रिश्ते की खबरों ने ज्यादा सुर्खियां नहीं बटोरी और काफी सीमित रही। बताया जाता है कि दोनों के बीच नजदीकियां इतनी बढ़ गई थीं कि सोनाली ने सुनील शेट्टी को शादी के लिए प्रपोज भी कर दिया था, जिसे सुनील ने स्वीकार कर लिया था, लेकिन आखिर में दोनों की शादी नहीं हो पाई। अभिनेता सुनील के बाद सोनाली ने राजनेता बाला साहब ठाकरे के भतीजे और मशहूर राजनेता राज ठाकरे को भी डेट किया था। ऐसा माना जाता है कि राज ठाकरे को सोनाली से मोहब्बत थी। खबरों के अनुसार राज ठाकरे सोनाली से शादी करना चाहते थे, लेकिन जब ये बात शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे तक पहुंची तो उन्होंने राज ठाकरे को सोनाली से शादी से साफ मना कर दिया, जिससे दोनों का रिश्ता वहीं खत्म हो गया। सोनाली को चाहने वालों की लिस्ट काफी लंबी है। सोनाली को चाहने वालों की लिस्ट में एक क्रिकेटर का भी नाम है। अपने जमाने के बेहतरीन खिलाड़ी रहे शोएब अख्तर सोनाली के प्यार में दीवाने हो गए थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि सोनाली ने उनका प्रपोजल स्वीकार नहीं किया तो वह उन्हें किडनैप करवा लेंगे। इन सेलेब्स के साथ नाम जुड़ने के बाद 12 नवंबर 2002 को सोनाली ने अपना हाथ जीवन भर के लिए फिल्म डायरेक्टर गोल्डी बहल के हाथों में दे दिया और उनसे शादी कर ली। बताया जाता है कि जब 1994 में सोनाली और गोल्डी की पहली मुलाकात हुई और गोल्डी उन्हें पसंद करने लगे तो उन्होंने सोनाली के सामने अपने दिल की बात रखी, लेकिन सोनाली ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। इस इंकार के बाद भी गोल्डी ने हिम्मत नहीं हारी और सोनाली को खूब प्यार करते रहे और उनका खूब ध्यान रखते रहे। इसके बाद उन्होंने 1998 में एक पार्टी के दौरान घुटनों पर बैठकर सोनाली को शादी के लिए प्रपोज किया और सोनाली मान गईं। फिर दोनों ने 4 साल तक एक दूसरे को डेट किया और 2002 में शादी कर ली। गोल्डी वाकई में सोनाली के लिए किसी राजकुमार से कम नहीं थे। यह उन्होंने सोनाली की बीमारी के दौरान साबित कर दिया, जब वह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहीं थी। 1995 में उन्हें फिल्म श्आगश के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार और मोस्ट प्रॉमिसिंग न्यूकमर का स्टार स्क्रीन पुरस्कार मिला। 2001 में उन्होंने फिल्म श्हमारा दिल आपके पास हैश के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का स्टार स्क्रीन अवॉर्ड जीता। 2012 में उन्हें टीवी शो में सर्वश्रेष्ठ जज पैनल के लिए इंडियन टेली अवार्ड मिला। 2018 में उन्हें महिला अचीवर्स अवार्ड और प्राइड ऑफ महाराष्ट्र अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

चेतावनी के बाद भी लुधियाना कॉन्सर्ट में दिलजीत दोसांझ ने गाए दारू वाले गाने, तुरंत हुई कानूनी कार्रवाई

गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ नया साल चढ़ते ही मुसीबत में फंस गए। नए साल के आगमन पर लुधियाना के पीएयू में हुए लाइव कन्सर्ट म्यूजिकल दिल लुमिनाटी टूर–2024 के बाद दिलजीत दोसांझ को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। चंडीगढ़ के एक सहायक प्रोफेसर पंडितराव धरनेवर द्वारा दायर एक शिकायत के बाद कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। शिकायत के बाद पंजाब सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की उप निदेशक ने लुधियाना के जिला आयुक्त को एक औपचारिक नोटिस जारी कर गायक को 31 दिसंबर, 2024 को अपने लाइव शो के दौरान कुछ गाने गाने से रोकने का आग्रह किया। लुधियाना के स्थानीय अधिकारियों को संबोधित इस पत्र में विशेष रूप से उन गानों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है जिन पर शराब को बढ़ावा देने का आरोप है, जैसे पटियाला पैग, 5 तारा ठेके और केस (जीब विचो फेम लब्बिया), यहां तक कि पटियाला पैग, 5 तारा ठेके और केस (जीब विचो फेम लब्बिया) भी शामिल हैं। शिकायत में दिलजीत दोसांझ को विभिन्न आयोगों द्वारा दी गई पूर्व चेतावनियों का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्हें इन विवादास्पद ट्रैकों को न गाने की सलाह दी गई थी। इन सलाहों के बावजूद, गायक ने कथित तौर पर गीतों में थोड़े बदलाव के साथ उन्हें बजाना जारी रखा। पंडितराव धरेनवर शिकायत दर्ज कराने वाले ने ऐसे गीतों के प्रभाव पर गहरी चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से युवा दर्शकों पर, खासकर जब कम उम्र के बच्चे भी दर्शकों में शामिल हों। स्थिति को और जटिल बनाते हुए, धारेनावर ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया, जिसने 2019 में पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि लाइव कॉन्सर्ट सहित सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब, ड्रग्स या हिंसा को बढ़ावा देने वाले गाने नहीं बजाए जाएं। अदालत के फैसले के अनुसार शराब या ड्रग्स जैसे पदार्थों का महिमामंडन करने वाले गाने संवेदनशील बच्चों पर बुरा असर डालते हैं। पंडितराव ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कॉन्सर्ट इन गानों के साथ आगे बढ़ता है तो वह इस मामले को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय तक ले जाने के लिए तैयार हैं। लुधियाना में अपने प्रदर्शन से पहले के दिनों में, दिलजीत दोसांझ को इसी तरह के कारणों से अन्य शहरों में भी जांच का सामना करना पड़ा था। नवंबर में हैदराबाद में अपने संगीत कार्यक्रम के दौरान, उन्हें तेलंगाना सरकार से एक कानूनी नोटिस मिला, जिसमें उनके शराब पीने के प्रदर्शन के बारे में शिकायत का हवाला दिया गया था। इसके अलावा, अपने इंदौर शो के दौरान, गायक ने ब्लैक मार्केट टिकट बिक्री के मुद्दे को संबोधित किया, और खुद को उन आरोपों से बचाया कि उनके टिकट बढ़े हुए दामों पर बेचे जा रहे थे। दिलजीत दोसांझ के गाने के बोलों को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। साल की शुरुआत में, गायक ने अपने संगीत में शराब पर अपनी टिप्पणियों के लिए सुर्खियां बटोरीं। अहमदाबाद में एक प्रदर्शन के दौरान, उन्होंने दावा किया कि अगर भारत सरकार शराब पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाती है तो वह शराब के बारे में गाने बनाना बंद कर देंगे। इन चल रही कानूनी चुनौतियों के बावजूद, दोसांझ का दिल–लुमिनाती दौरा एक बड़ी सफलता रही है, हर पड़ाव पर टिकटें तेजी से बिक गईं।

नीतू सिंह ने परिवार संग मनाया नया साल, बेटे रणबीर की गोद में मुंह छिपाती दिखीं राहा

वरिष्ठ अदाकारा नीतू सिंह कपूर ने अपने परिवार संग मिलकर नए साल का स्वागत किया। कैमरे में कैद उन पलों को अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों से शेयर किया। इस जश्न का हिस्सा उनकी समधन सोनी राजदान, स्टार कपल रणबीर–आलिया, बेटी रिद्धिमा अपने पति और बेटी बने। नीतू ने इन चार तस्वीरों की श्रृंखला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर साझा की। इन्हें देख कर एहसास हो रहा है कि ड्रेस कोड ब्लैक है। सभी ने काले रंग का आउटफिट पहन रखा है। हालांकि समधन चीट कर गई हैं। वो रेड कलर की ड्रेस में है उन्होंने अपनी नातिन और नीतू की पोती राहा से ट्विनिंग की है। सोनी रेड ब्लिंगी ड्रेस में दिखीं। एक गार्डन एरिया में फ्लोर सीटिंग के साथ नए साल का जश्न मनाते परिवार दिखा। राहा पापा की गोद में हैं और उन्होंने लाल रंग की फ्रॉक पहन रखी है। देर रात पोस्ट की गई तस्वीर में राहा कैमरे की ओर नहीं देख रही है। पूरा परिवार एक फ्रेम में क्लिक हुआ है। नीतू जो अक्सर अपने वन लाइनर्स से सबकी तारीफ बटोरती हैं ने बेहद सादा से कैप्शन दिया है। लिखा है– हैप्पी न्यू ईयर 2025 (नया साल मुबारक)। पहली तस्वीर में नीतू सिंह के दामाद भरत साहनी, बेटी रिद्धिमा, नीतू सिंह, रणबीर, आलिया, सोनी और नातिन साथ हैं। इसकी अगली तस्वीर में तीन जेनेरेशन साथ दिख रही है। मतलब नातिन, बेटी और नानी एक फ्रेम में। तीसरी सेल्फी है जो रणबीर ने ली है और इसमें नीतू सिंह के दोनों बच्चे और नातिन हैं। सबसे आखिरी में रणबीर और मां साथ हैं। उनके कई प्रशंसक नन्ही राहा को लाल और सफेद रंग की फ्रॉक में देखकर खुश हुए और लिखा, नया साल मुबारक हो, मेरे पसंदीदा रणबीर कपूर और प्यारा परिवार, खास तौर पर राहा। राहा को नेटिजन्स काफी पसंद करते हैं। हाल ही में उन्हें पैपराजी ने क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए जाती राहा को क्लिक किया था। वो फोटोग्राफर्स को फ्लाइंग किस और मेरी क्रिसमस कहती दिखी थीं।

इस तरह से वर्किंग वूमेन बालों का रखें ख्याल, इन हैक्स को अपनाएं

बिजी लाइफस्टाइल के चलते वर्किंग वूमेन अपने बालों की केयर ठंग से नहीं कर पाती है। बालों की केयर भी काफी जरुरी है। वरना बालों का डैमेज होना, ड्राई होना और बालों का शाइन तक चली जाती है। कामकाजी महिलाएं झटपट काम करने में रहती है इसलिए उन्हें अपने बालों की या फिर स्किन केयर के लिए भी समय नहीं मिलता है। अगर आप अपने बिजी लाइफस्टाइल से थोड़ा सा समय निकालकर हेयर्स पर ध्यान देते हैं, तो जल्द ही आपके बाल घने और स्मूद होंगे। आइए आपको कुछ हैक्स बतात हैं, जो आपके काफी काम आने वाले है।

बालों पर होममेड ऑयल लगाएं

केमिकल युक्त तेल से बालों में न लगाएं। इससे बेहतर है कि आप घर पर ही दादी–नानी के बताए हुए नुस्खा को ट्राई कर सकती हैं। आप घर पर ही मेथी और करी पत्ते का ऑयल बनाना सकते हैं।

कैसे बनाएं तेल

– सबसे पहले मेथी दाने और करी पत्तों को सरसों के तेल में अच्छे से पकाना है।

– अब इसमें थोड़ा सा ब्राह्मी पाउडर को मिक्स करना है।

– जब यह ठंडा हो जाए, तो इसे छान लें।

– इस तेल को आप एक जार में बंद करके रख लें।

– जब आप हेयर वॉश करने जाएं, तो उससे 30 मिनट पहले ऑयल को बालों में लगा लें। आपको रिजल्ट अच्छे मिलेंगे।

हेयर मास्क लगाएं

– आप एलोवेरा जेल, केला, नारियल तेल और शहद लेना है।

– इन तीनों चीजों को कटोरी में मिला लें और अच्छे से मिक्स कर दें।

– बाल धोने से पहले इसे हेयर्स पर अप्लाई करें।

– 20 मिनट के बाद बालों धो लें।

– इसकी मदद से आपके बाल टूटने और रुखे की समस्या गायब हो जाएगी।

सर्दी में डैंड्रफ से छुटकारा पाने के 6 असरदार घरेलू उपाय!

सर्दियों में अक्सर लोग डैंड्रफ की समस्या से परेशान रहते हैं। आपके स्कैल्प में जमे डैंड्रफ से आपके बाल रूखे और बेजान नजर आने लगते हैं। दरअसल, गर्म पानी से नहाने की वजह से आपका स्कैल्प रूखा हो जाता है और यही डैंड्रफ की वजह बनता है।बालों पर डैंड्रफ की समस्या के कारण बाल तेजी से झड़ने लगते हैं और बाल रूखे भी हो जाते हैं। ऐसे में इस समस्या को दूर करने के लिए कई लोग केमिकल प्रोडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल करने लगते हैं। इन प्रोडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल बालों को नुकसान पहुंचाता हैं और इनके इस्तेमाल से कई बार डैंड्रफ भी कम नहीं होता। ऐसे में सर्दियों में डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए इन घरेलू उपायों की मदद ली जा सकती हैं। ये घरेलू उपायों से डैंड्रफ की समस्या दूर होगी और बाल मजबूत, चमकदार भी बनेंगे। आइए जानते हैं इन घरेलू उपायों के बारे में।

नींबू और नारियल तेल

नींबू का रस और तेल डैंड्रफ को कम करने के लिए बहुत प्रभावी होते हैं। नींबू में मौजूद एंटीफंगल और एंटीबेक्टीरियल गुण सिर की त्वचा को साफ करते हैं और डैंड्रफ से राहत दिलाते हैं।इन दोनों को मिला कर अपने स्कैल्प में अच्छे से मालिश करें। मसाज के बाद अपने सिर को तौलिए में लपेट लें और करीब आधे घंटे तक छोड़ दें, फिर शैंपू से बाल धो लें।

मेथी का पेस्ट

बालों को डैंड्रफ से छुटकारा दिलाने के लिए आप गर्म पानी में मेथी के दानों को रातभर भिगा दें और सुबह इसे पीस कर इसका पेस्ट अपने बालों की जड़ों में लगाएं। ज्यादा रूसी हो तो इसके साथ नीबू का रस भी मिला सकते हैं। करीब एक घंटे लगाए रखने के बाद इसे धो लें।

आंवला

आँवला विटामिन ई, एंटीऑक्सीडेंट्स और खनिजों से भरपूर होता है, जो सिर की त्वचा की सेहत को सुधारने में मदद करता है और डैंड्रफ की समस्या को कम करता है।आंवला पाउडर को पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं और इस पेस्ट को सिर पर लगाकर 20–30 मिनट तक रखें।फिर इसे हल्के शैम्पू से धो लें। इस उपाय को सप्ताह में 2–3 बार करें।

बेसन और दही का पैक

बेसन और दही का मिश्रण सिर की त्वचा को न केवल साफ करता है, बल्कि यह खुजली और रूसी को भी कम करता है। दही सिर को नमी देता है, और बेसन स्कैल्प से तेल और गंदगी को हटाता है। 2–3 चम्मच बेसन में 2 चम्मच दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सिर पर अच्छे से लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। 20 मिनट बाद इसे धो लें।

सेब का सिरका

सेब का सिरका बालों में डैंड्रफ की समस्या को आसानी से दूर करता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए एक स्प्रे बॉटल में एक कप पानी और आधा कप सिरका डालकर मिक्स करके रखें। अब इस मिश्रण को रात में सोने से पहले बालों में इस मिश्रण से स्प्रे करें। सुबह उठकर बालों को शैंपू कर लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर होगी और बाल मजबूत भी बनेंगे।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल में एंटी फंगल गुण होते हैं जो डैंड्रफ को दूर करने में मदद करते हैं। यह सिर की त्वचा को साफ करता है और खुजली को भी कम करता है। 1–2 बूँदें टी ट्री ऑइल को नारियल तेल में मिलाएं।इस मिश्रण को सिर पर लगाकर हल्के से मसाज करें। 20–30 मिनट बाद इसे धो लें। इन उपायों से आप न सिर्फ डैंड्रफ से छुटकारा पा सकते हैं, बल्कि अपने बालों और सिर की त्वचा की सेहत भी सुधार सकते हैं।

प्रोटीन की कमी होने पर शरीर में दिखते हैं ऐसे लक्षण, भूलकर भी न करें नजरअंदाज

स्वस्थ रहने के लिए हमें रोजाना पोषक तत्वों की जरूरत होती है। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट सभी लोगों को डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे शरीर के लिए जरूरी ज्यादातर तत्वों की पूर्ति किया जा सके। डाइट एक्सपर्ट के अनुसार, हमारी सेहत के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी पोषक तत्व है, यह मांसपेशियों के निर्माण से लेकर, स्किन, बाल और नाखूनों को हेल्दी और मजबूत बनाए रखने की इसमें अहम भूमिका होती है। तो क्या आप रोजाना प्रोटीन वाली चीजों का रोजाना सेवन कर रहे हैं। प्रोटीन हमारे शरीर के समग्र कामकाज के लिए जरूरी होता है। यह ऊतकों के निर्माण और मरम्मत, एंजाइम और हार्मोन का उत्पादन करने और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाता है। स्किन, बालों और नाखूनों को मजबूत रखने और टूटने से बचाने के लिए प्रोटीन वाली चीजें बहुत जरूरी है। ऐसे में आपके शरीर में कहीं प्रोटीन की कमी तो नहीं है और इसका पता कैसे लगाया जा सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं रोजाना कितनी मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए और यह आपके शरीर के लिए कितना जरूरी है।

रोजाना कितनी मात्रा में जरूरी है प्रोटीन

अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक वयस्कों को रोजाना शरीर के वजन के हिसाब से प्रति किलोग्राम 0.8 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है। जैसे अगर किसी व्यक्ति का वजन 75 किलोग्राम है, तो उसको रोजाना 60 ग्राम प्रोटीन लेना चाहिए। क्योंकि शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर शरीर की संरचना में भी बदलाव होने लगता है। अगर इसमें सुधार नहीं किया जाए, तो यह हड्डियों की समस्या, लिवर की बीमारी और बच्चे के विकास को भी प्रभावित कर सकती है।

कमजोर तो नहीं आपकी इम्युनिटी

शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए विटामिन सी और डी को सबसे ज्यादा जरूरी माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर बुरा असर हो सकता है। शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर संक्रमण का जोखिम और इस संक्रमण के गंभीर रूप लेने का खतरा भी हो सकता है। पशुओं पर किए गए एक रिसर्च के मुताबिक सिर्फ 2 फीसदी प्रोटीन वाली डाइट की तुलना में 18 फीसदी प्रोटीन लेने वाले पशुओं में संक्रामक रोगों के होने का जोखिम कम होता है।

मांसपेशियों की कमजोरी और थकान रहना

मांसपेशियों को हेल्दी और मजबूत बनाए रखने के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी होता है। अगर आप पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन नहीं लेते हैं, तो आपका शरीर प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए मांसपेशियों के ऊतकों को ब्रेक डाउन करना शुरूकर देता है। वहीं शरीर में लंबे समय तक प्रोटीन की कमी होने पर मांसपेशियों की क्षति और कमजोरी बढ़ने लगती है। ऐसे में आपको दैनिक कार्य जैसे– सीढ़ियां चढ़ने और चीजों को उठाने में समस्या होने लगती है। शरीर में एनर्जी की कमी होना प्रोटीन की कमी की ओर इशारा करती है।

त्वचा और नाखून की संबंधी समस्या

बता दें कि बाल, नाखून और त्वचा मुख्य रूप से प्रोटीन से बने होते हैं और जब आपकी डाइट में प्रोटीन की कमी होती है, तो आपके बाल पतले होने लगते हैं। साथ ही हेयर फॉल होने लगता है। शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर नाखून भंगुर और स्किन ड्राई व पपड़ीदार होने लगती है। ऐसा होना स्पष्ट रूप से इस ओर संकेत करता है कि आपकी बॉडी में हेल्दी ऊतकों को बनाएं रखने के लिए जरुरी बिल्डिंग ब्लॉक की कमी है। स्किन और नाखून संबंधी समस्याएं शरीर में प्रोटीन की कमी की वजह से हो सकती हैं।

वास्तु के हिसाब से लगाएं नए साल का कैलेंडर, घर भर जायेगा खुशियों और धनदौलत से !

नए साल के आगमन से पहले लगभग सभी घरों में नया कैलेंडर आ ही जाता है, हालांकि इसे लगाने के सही नियम हर कोई नहीं जानता। अगर आप वास्तु के अनुसार कैलेंडर लगाते हैं तो आपके घर मे खुशियों को आने से कोई नहीं रोक सकता। नए साल का कैलेंडर केवल एक समय का संकेतक नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बन सकता है, इसे सही स्थान पर लगाना आपके जीवन में समृद्धि, शुभता और सकारात्मक ऊर्जा ला सकता है। यहां नकैलेंडर को रखने के लिए कुछ महत्वपूर्ण वास्तु टिप्स दिए गए हैं।

कैलेंडर का सही स्थान चुनें

उत्तर दिशा धन और समृद्धि का प्रतीक है, पूर्व दिशा प्रगति और नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करती है। कैलेंडर को इन दिशाओं में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। ऑफिस या कार्यस्थल पर कैलेंडर को उत्तर–पूर्व दिशा में लगाएं। इससे सफलता और तरक्की के अवसर बढ़ते हैं।

साफ और खुला स्थान चुनें

कैलेंडर ऐसी जगह लगाएं जहां वह स्पष्ट और आसानी से दिखे। दरवाजे के पीछे या छिपी हुई जगह पर कैलेंडर न लगाएं। ध्यान रखें जिस दीवार पर कैलेंडर लगाना है उस पर किसी भी प्रकार की दरारें या गंदगी न हो। यह वास्तु दोष पैदा कर सकता है। कैलेंडर को आंखों के स्तर पर लगाएं ताकि यह आसानी से दिखाई दे।– बहुत ऊंचा या बहुत नीचे कैलेंडर भी वास्तु के हिसाब से सही नहीं माना जाता।

सकारात्मक चित्रों वाले कैलेंडर का चयन करें

प्राकृतिक दृश्यों जैसे सूरज, फूल, नदियां, या हरियाली वाले कैलेंडर का चयन करें। देवी–देवताओं की तस्वीर वाले कैलेंडर भी शुभ माने जाते हैं। हिंसा, सुनसान स्थान या उदासी दिखाने वाले चित्र वास्तु के लिए ठीक नहीं हैं। पुराना कैलेंडर रखने से समय के साथ रुकावटें और नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो सकती है। हर महीने कैलेंडर के पन्ने पलटना सुनिश्चित करें। कैलेंडर पर महत्वपूर्ण तिथियां, लक्ष्य और शुभ कार्यों की योजना लिखें। यह आपके जीवन में अनुशासन और समृद्धि लाएगा।

कैलेंडर को मुख्य दरवाजे के सामने न लगाएं

मुख्य दरवाजे के ठीक सामने कैलेंडर लगाने से घर की ऊर्जा बाहर जा सकती है। इसे ऐसी जगह पर लगाएं जहां यह मुख्य द्वार से दूर हो। कैलेंडर के पास सही समय दिखाने वाली घड़ी यह छोटे हरे पौधे रख सकते हैं।

टॉयलेट की भयंकर बदबू से छुटकारा दिला सकता है ये कमाल का जुगाड़, बिना क्लीन किए दूर होगी स्मेल

टॉयलेट की भयंकर बदबू से कई बार पूरा दिन खराब हो जाता है। तो वहीं कई बार बदबू इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि टॉयलेट इस्तेमाल करने का भी मन नहीं करता है। वहीं अगर कहीं घर में मेहमान आ जाएं, तो आपको शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। अक्सर बिजी शेड्यूल होने की वजह से लोगों के पास टाइम नहीं होता है, जिससे कि वह रोजाना टॉयलेट की सफाई कर सकें। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप बिना इसको क्लीन किए ही बदबू को दूर कर सकते हैं। दरअसल, आप नींबू और मास्क की मदद से टॉयलेट से आने वाली भयंकर बदबू को दूर कर सकते हैं। ऐसे में आपको मास्क और नींबू की ट्रिक को जान लेना चाहिए। वहीं आपको एक बार इस ट्रिक को आजमाना है और इससे हफ्ते भर आपको टॉयलेट की सफाई करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ फ्लश करने से न सिर्फ टॉयलेट क्लीन होगा, बल्कि बदबू भी दूर हो जाएगी। वहीं सबसे अच्छी बात है कि इसके लिए आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना होगा।

चाहिए होगा ये सामान

नींबू

सर्जिकल मास्क

कैंची

ऐसे डालें मास्क में नींबू

कंबोड से बदबू को हटाने के लिए आप नींबू और मास्क वाली ट्रिक आजमा सकते हैं। इसके लिए नींबू को छोटे–छोटे स्लाइस में काट लें और फिर मास्क का ऊपरी हिस्सा स्ट्रिप्स के साथ कट कर दें। इससे आपको मास्क में नींबू के स्लाइस डालने की जगह मिल जाएगी। अब इसमे नींबू की स्लाइस डालने के बाद कटी हुई स्ट्रिप्स से इसको बांध लीजिए।

जानिए कैसे काम करेगी ये ट्रिक

बता दें कि जब आप मास्क के अंदर नींबू की स्लाइस बांधेंगे तो यह एक पैकेट की तरह लगेगा। अब इस नींबू वाले पैकेट को वन साइड स्ट्रिप्स की मदद से फ्लश टैंक के अंदर लटकाएं। इससे नींबू का एसिड फ्लश के साथ टैंक के पानी में मिल जाएगा। फिर आप जब भी इसे फ्लश करेंगे, तो नींबू का एसिड कंबोड क्लीन हो जाएगा। ठीक इसी तरह से आप बोतल वाला नुस्खा भी आजमा सकते हो।

संक्षिप्त

दिसंबर में भारत की विनिर्माण वृद्धि दर 12 महीने के निचले स्तर पर, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर दिसंबर में 12 महीने के निचले स्तर पर आ गई, क्योंकि नए व्यापार ऑर्डर और उत्पादन में धीमा विकास हुआ। गुरुवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स दिसंबर में 56.4 पर था, यह नवंबर के 56.5 से कम रहा, जो परिचालन स्थितियों में कमजोर सुधार को दर्शाता है। गिरावट के बावजूद, मुख्य आंकड़ा 54.1 के अपने दीर्घकालिक औसत से ऊपर रहा, जिससे मजबूत वृद्धि दर का संकेत मिलता है। पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, औद्योगिक क्षेत्र में मंदी के रुझान के और अधिक संकेत के बीच भारत की विनिर्माण गतिविधि 2024 में नरम रुख के साथ मजबूत रही। नए ऑर्डरों में विस्तार की दर साल में सबसे धीमी रही, जो भविष्य में उत्पादन में कमजोर वृद्धि का संकेत देती है। प्रतिस्पर्धा और मूल्य दबाव के कारण विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि बाधित हुई। लैम ने कहा कि नये निर्यात ऑर्डरों की वृद्धि में कुछ वृद्धि हुई है, जो जुलाई के बाद सबसे तेज गति से बढ़ी है। सर्वेक्षण में कहा गया है, हालांकि कुल नए कारोबार की तुलना में नई निर्यात बिक्री की दर धीमी रही, लेकिन निर्यात की वृद्धि की गति मजबूत हुई, क्योंकि कंपनियां दुनिया भर से अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डर प्राप्त करने में सक्षम रहीं। सर्वेक्षण के अनुसार, विकास की ''पर्याप्त'' दर के परिणामस्वरूप खरीद स्तर और रोजगार में और अधिक वृद्धि हुई। नए रोजगार में हो रहे सुधार के कारण भारत में विनिर्माण कम्पनियों को उत्पादन प्रक्रियाओं में उपयोग के लिए अतिरिक्त इनपुट खरीदने के लिए प्रेरित किया गया और रोजगार के मोर्चे पर, लगभग दस में से एक कम्पनी ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की, जबकि 2 प्रतिशत से भी कम कम्पनियों ने नौकरियों में कटौती की। कीमतों के मोर्चे पर, नवंबर से कंटेनर, सामग्री और श्रम लागत में कथित रूप से वृद्धि के साथ, भारतीय निर्माताओं ने समग्र व्यय में एक और वृद्धि दर्ज की। हालांकि, महीने–दर–महीने के आधार पर, इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति की दर ऐतिहासिक मानकों के अनुसार मध्यम थी। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल की ओर से लगभग 400 निर्माताओं के पैनल में क्रय प्रबंधकों को भेजी गई प्रश्नावली के उत्तरों से संकलित किया जाता है।

भुवनेश ने UIDAI के सीईओ का पदभार संभाला; एअर इंडिया के चुनिंदा उड़ानों में वाई–फाई सुविधा शुरू

भुवनेश कुमार ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। बुधवार को एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। कुमार इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव भी बने रहेंगे। उन्होंने अमित अग्रवाल का स्थान लिया है जिन्हें नया फार्मा सचिव नियुक्त किया गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, ष्भुवनेश कुमार ने बुधवार को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पदभार ग्रहण किया।ष कुमार उत्तर प्रदेश कैडर के 1995 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। बयान में कहा गया है, ष्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र से स्नातक और स्वर्ण पदक विजेता, उन्होंने केंद्र और अपने कैडर राज्य दोनों में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।ष इससे पहले, उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर भी कार्य किया था। उत्तर प्रदेश में उन्होंने पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन विभाग में प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया। इससे पहले, वह उत्तर प्रदेश सरकार में सचिव वित्त, सचिव एमएसएमई, सचिव तकनीकी शिक्षा और भूमि राजस्व विभाग के मंडल आयुक्त रह चुके हैं।

जोमैटो कर्मियों को मिली 97 लाख की टिप

2024 के अंतिम दिन यानी 31 दिसंबर को जोमैटो के कर्मचारियों को 97 लाख रुपये टिप के रूप में मिले हैं। कंपनी को शाम पांच बजे तक प्रति सेकंड 140 ऑर्डर मिले थे। क्विक कॉमर्स पर जो सामान सबसे ज्यादा ऑर्डर किए गए, उनमें चिप्स, फ्रूट बीयर, कोल्ड ड्रिंक, बर्फ के टुकड़े और अंगूर शामिल थे। जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा वह अंगूर के ऑर्डरों की संख्या थी। नए साल की पूर्व संध्या पर आधी रात को 12 अंगूर खाने की परंपरा एक पुरानी स्पेनिश परंपरा से जुड़ी हो सकती है और माना जाता है कि यह आने वाले वर्ष के लिए सौभाग्य और समृद्धि के लिए होती है। भुवनेश कुमार ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। बुधवार को एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। कुमार इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव भी बने रहेंगे। उन्होंने अमित अग्रवाल का स्थान लिया है जिन्हें नया फार्मा सचिव नियुक्त किया गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, ष्भुवनेश कुमार ने बुधवार को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पदभार ग्रहण किया।ष कुमार उत्तर प्रदेश कैडर के 1995 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। बयान में कहा गया है, ष्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र से स्नातक और स्वर्ण पदक विजेता, उन्होंने केंद्र और अपने कैडर राज्य दोनों में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।ष इससे पहले, उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर भी कार्य किया था। उत्तर प्रदेश में उन्होंने पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन विभाग में प्रधान सचिव के रूप में कार्य किया। इससे पहले, वह उत्तर प्रदेश सरकार में सचिव वित्त, सचिव एमएसएमई, सचिव तकनीकी शिक्षा और भूमि राजस्व विभाग के मंडल आयुक्त रह चुके हैं।

'ड्रेसिंग रूम में जब तक ईमानदार लोग, भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में'; अनबन की खबरों पर गंभीर की दो टूक

मेलबर्न में मिली करारी हार के बाद ऐसी खबरें आई थी कि गंभीर ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी नाराज हुए थे और उन्होंने कहा था कि बस अब बहुत हुआ। गंभीर ने साथ ही रणनीति के तहत नहीं खेलने पर भी खिलाड़ियों पर नाराजगी व्यक्त की थी।

सिडनी, एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सिडनी टेस्ट से पहले ड्रेसिंग रूम की बातें बाहर आने पर नाराजगी व्यक्त की है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाले बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले गंभीर इस बात से खफा हुए कि खिलाड़ियों और कोच के बीच चर्चा मीडिया में लीक हो रही है जो अच्छी बात नहीं है।

खिलाड़ियों के साथ नाराजगी की आई थीं खबरें

मालूम हो कि मेलबर्न में मिली करारी हार के बाद ऐसी खबरें आई थी कि गंभीर ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी नाराज हुए थे और उन्होंने कहा था कि बस अब बहुत हुआ। गंभीर ने साथ ही रणनीति के तहत नहीं खेलने पर भी खिलाड़ियों पर नाराजगी व्यक्त की थी। उल्लेखनीय है कि भारत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में फिलहाल 1–2 से पिछड़ रहा है।

खिलाड़ी–कोच की बातें ड्रेसिंग रूम तक रहें

गंभीर ने पांचवें टेस्ट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कोच और खिलाड़ियों के बीच ड्रेसिंग रूम की बातें वहीं तक सीमित रहनी चाहिए। भारतीय क्रिकेट तब तक सुरक्षित हाथों में है, जब तक ड्रेसिंग रूम में ईमानदार लोग मौजूद हैं। सिर्फ एक चीज आपको टीम में रख सकती है और वो है प्रदर्शन। टीम पहले की भावना सबसे ज्यादा मायने रखती है। खिलाड़ी अपना पारंपरिक गेम खेल सकते हैं, लेकिन टीम स्पोर्ट्स में व्यक्तिगत खिलाड़ी सिर्फ अपना योगदान देते हैं।

हाल ही में कुछ मीडिया में खबरें चली थी कि मेलबर्न में चौथे टेस्ट में हार के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में तनावपूर्ण माहौल हो गया था और गंभीर टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन से काफी नाराज हुए थे। गंभीर ने इरादे और टीम हित के बीच टकराव के बारे में भी बात की थी। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे चर्चा की गई योजनाओं को क्रियान्वित करने के बजाय अपने हिसाब से काम कर रहे हैं। उन्होंने चर्चा की थी कि सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद से बल्लेबाज पिछले कुछ समय से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया था।

चोटिल आकाश दीप रहेंगे बाहर

गंभीर ने इस बात की पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज आकाश दीप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में नहीं खेल सकेंगे। उन्होंने कहा, तेज गेंदबाज आकाश दीप पीठ में दिक्कत के कारण बाहर हैं। मुझे उम्मीद है कि हम बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा बरकरार रखने में सफल रहेंगे। सिर्फ इस बारे में बात होनी चाहिए कि हम किस तरह इस सीरीज में खेले हैं।

सिडनी टेस्ट से ड्रॉप होंगे कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच गौतम गंभीर ने दिया चौंकाने वाला जवाब

हेड कोच गंभीर ने कहा कि, हम प्लेइंग इलेवन का फैसला कल यानी 3 जनवरी पिच देखकर करेंगे। इस जवाब ने सबी को हैरान कर दिया है क्योंकि कप्तान का चयन पिच के अनुसार नहीं होता है। अगर रोहित शर्मा का कप्तान होकर भी खेलना तय नहीं है तो इसका मतलब निकाला जा रहा है कि वह ड्रॉप हो सकते हैं।

मौजूदा समय में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। जहां दोनों टीमों के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। वहीं अभी तक 4 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं जहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 2–1 से सीरीज में बढ़त बना ली है। जबकि टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के कारण WTC Final की उम्मीदें दांव पर लग गई है। वहीं अब आखिरी और पांचवां टेस्ट मैच सिडनी में 3 जनवरी से खेला जाएगा। भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए फैंस और दिग्गोजं ने कप्तान रोहित शर्मा को भी इसका बड़ा कारण बताया है। सोशल मीडिया पर रोहित को सिडनी टेस्ट से ड्रॉप करने की बात चल रही है। वहीं सिडनी टेस्ट से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां उन्होंने रोहित शर्मा को सिडनी टेस्ट से ड्रॉप करने के संकेत दिए हैं। गौतम गंभीर पांचवें टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए। इससे पहले ज्यादातर मौकों पर कप्तान रोहित शर्मा ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में नजर आए। गंभीर से यहां सिडनी टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में रोहित शर्मा की जगह पर सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि रोहित शर्मा सिडनी टेस्ट खेलेंगे? इस पर गंभीर ने कहा कि, हम प्लेइंग इलेवन का फैसला कल यानी 3 जनवरी पिच देखकर करेंगे। इस जवाब ने सबी को हैरान कर दिया है क्योंकि कप्तान का चयन पिच के अनुसार नहीं होता है। अगर रोहित शर्मा का कप्तान होकर भी खेलना तय नहीं है तो इसका मतलब निकाला जा रहा है कि वह ड्रॉप हो सकते हैं। फिलहाल, रोहित का इस सीरीज में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। पहला टेस्ट जो पर्थ में खेला गया था उसमें रोहित की जगह जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की थी और टीम इंडिया को जीत दिलाई। वहीं एडिलेड से रोहित ने कमान संभाली लेकिन टीम को मैच गंवाना पड़ा। रोहित ने अभी तक इस सीरीज की पांच पारियों में महज 31 रन ही बनाए हैं।

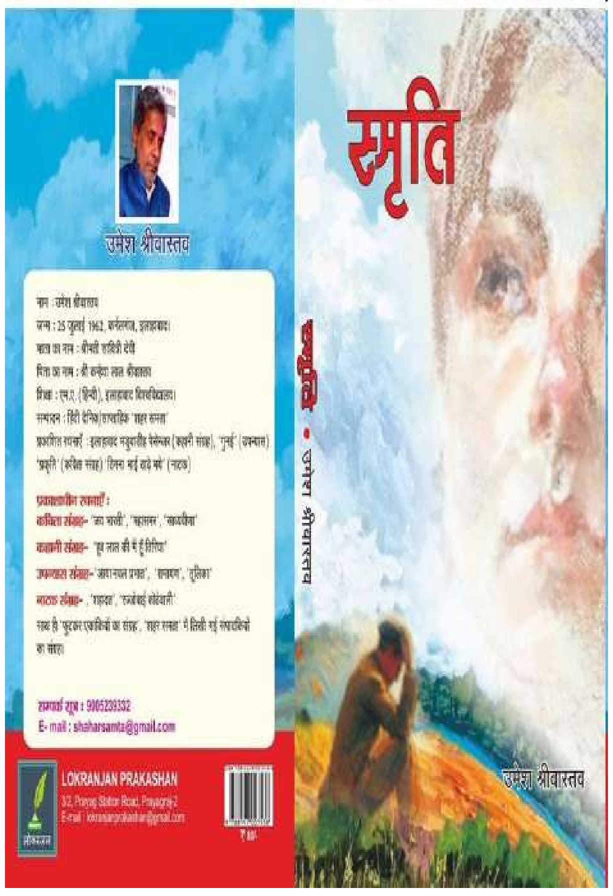

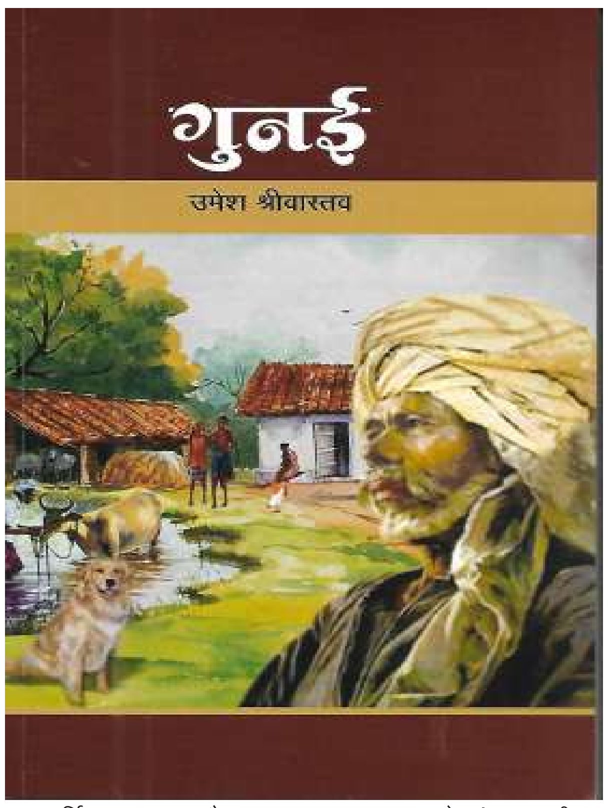

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

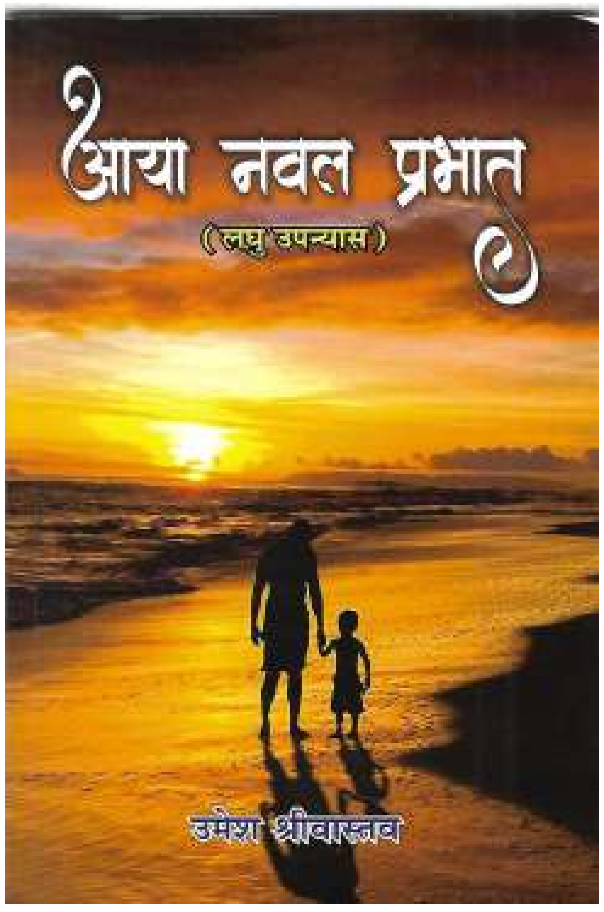

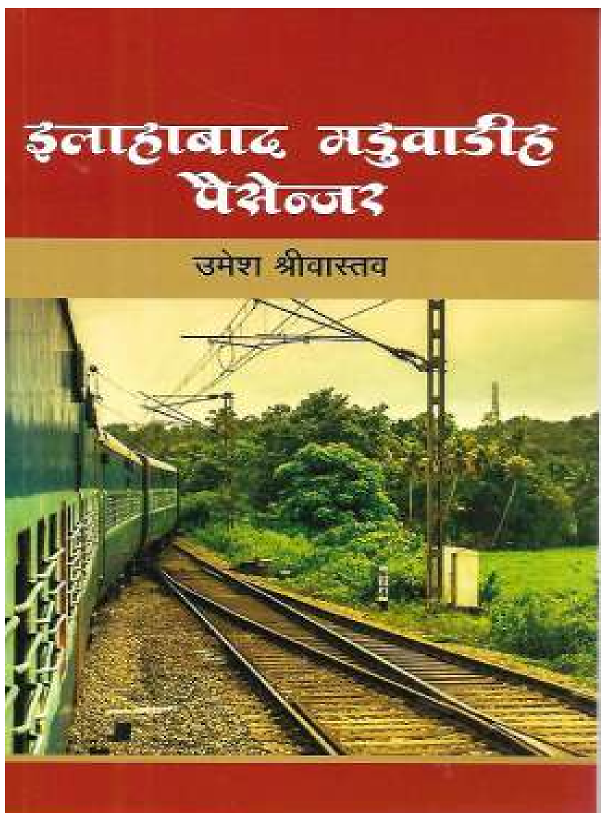

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मड्डुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

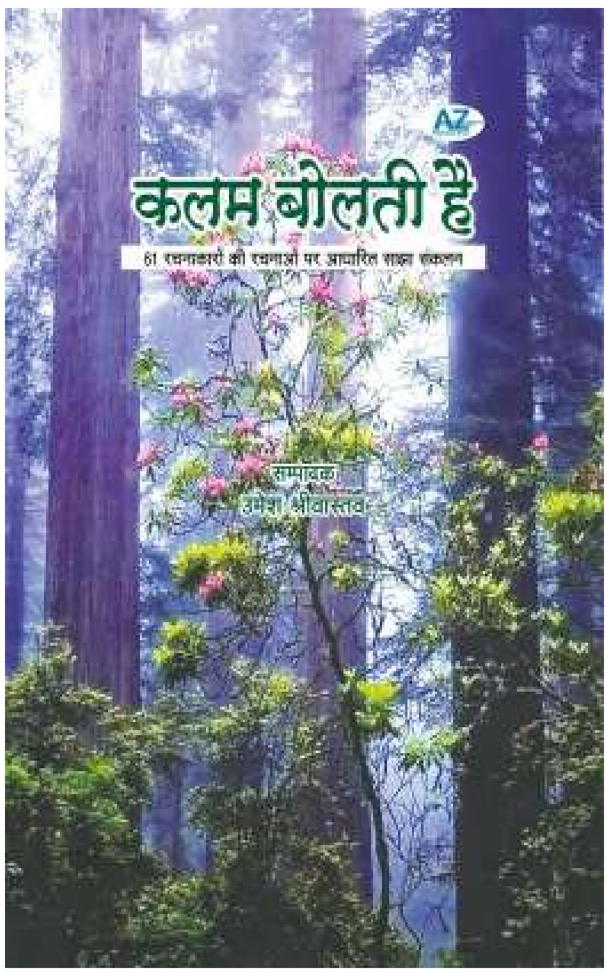

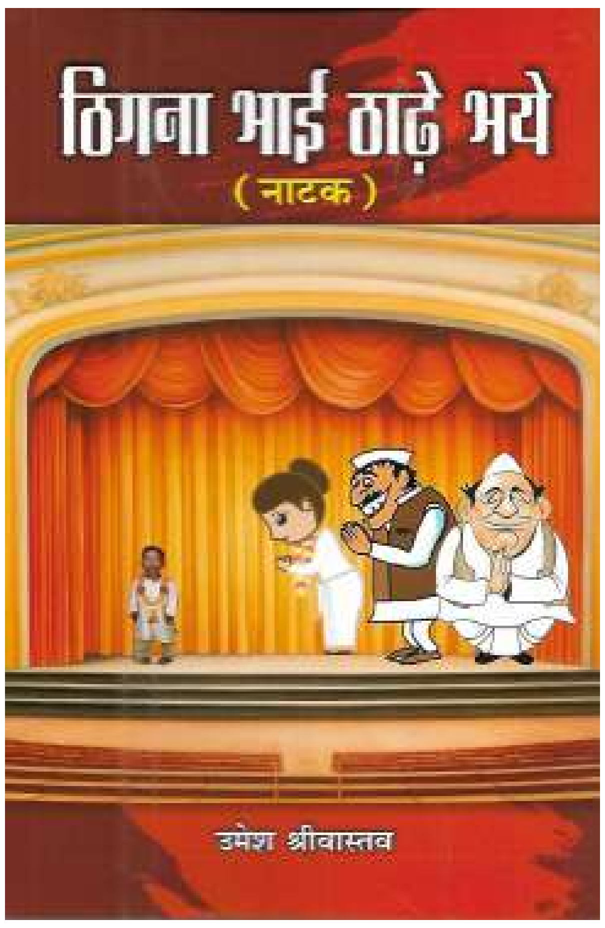

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को नहीं मिली राहत, बांग्लादेश की कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को झटका देते हुए, बांग्लादेश की एक चट्टोग्राम अदालत ने गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हुई सुनवाई के दौरान जमानत देने से इनकार कर दिया। दास, जो बांग्लादेश सैमिलिटो सनातन जागरण जोते समूह के सदस्य हैं, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) से जुड़े हैं। चिन्मय कृष्ण दास को दो जनवरी को बांग्लादेश की एक

अदालत में पेश किया गया। उन्हें 25 नवंबर को चटगांव में दर्ज राजद्रोह के एक मामले में ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। द डेली स्टार ने मेट्रोपॉलिटन लोक अभियोजक वकील मोफिजुर हक भुइयां का हवाला देते हुए बताया कि चौटोग्राम मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश एमडी सैफुल इस्लाम ने लगभग 30 मिनट तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पहले गुरुवार को हाई–प्रोफाइल मामले में चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी का प्रतिनिधित्व करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के 11 वकीलों की एक टीम सुबह करीब 10रु15 बजे (स्थानीय समय) अदालत पहुंची। रिपोर्ट के अनुसार, उनके प्रयासों के बावजूद, अदालत का फैसला उनकी याचिका के खिलाफ गया। 25 नवंबर को उनकी गिरफ्तारी से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसकी परिणति 27 नवंबर को चौटोग्राम कोर्ट बिल्डिंग के बाहर उनके अनुयायियों और कानून प्रवर्तन के बीच हिंसक झड़पों में हुई, जिसके परिणामस्वरूप एक वकील की मौत हो गई। बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना नीत अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से अशांति बनी हुई है तथा देश के 50 से अधिक जिलों में सैकड़ों हमले हो चुके हैं। बांग्लादेश की कुल 17 करोड़ की आबादी में आठ प्रतिशत हिंदू हैं।

सऊदी अरब में मादक पदार्थों की तस्करी के जुर्म में ईरान के छह नागरिकों को मौत की सजा दी गई

सऊदी अरब ने कहा है कि उसने मादक पदार्थों की तस्करी के जुर्म में ईरान के छह लोगों की मौत की सजा पर तामील की है। ईरान ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई है। सऊदी अरब के गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि छह लोगों को देश में हशीश की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था और देश के उच्चतम न्यायालय की ओर से एक अपील खारिज किए जाने के बाद उन्हें मौत की सजा दे दी गई। हालांकि मंत्रालय ने यह जानकारी नहीं दी कि ईरान के नागरिकों को यह सजा कब और कहां दी गई। मंत्रालय ने कहा कि यह सजा इस्लामी कानून के अनुरूप है और इसका उद्देश्य नागरिकों और निवासियों को "मादक पदार्थों के अभिशाप से" बचाना है। वहीं ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'इरना' ने अपनी एक खबर में कहा कि ईरानी विदेश मंत्रालय ने तेहरान में सऊदी राजदूत को तलब किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान इस मामले पर चर्चा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल रियाद भेजेगा। खबर में विदेश मंत्रालय के अधिकारी मोजतबा शास्त्री करीमी के हवाले से कहा गया कि मौत की सजा पर तामील न्यायिक सहयोग की स्थापित प्रक्रिया के विपरीत है। उन्होंने कहा कि ईरान को सूचित किए बिना सऊदी अरब की ओर से की गई यह कार्रवाई "किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है।" ईरान और सऊदी अरब के बीच संबंध ज्यादा सौहार्दपूर्ण नहीं हैं और दोनों देशों ने सात साल के तनाव के बाद 2023 की शुरुआत में राजनयिक संबंध फिर से शुरू किए थे।

मॉन्टेनेग्रो में गोलीबारी में दो बच्चों समेत कम से कम 10 लोगों की मौत

दक्षिण–पूर्वी यूरोपीय देश मॉन्टेनेग्रो के सेटिंजे शहर में गोलीबारी में दो बच्चों समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। देश के गृह मंत्री डेनिलो सारानोविक ने जानकारी दी। सारानोविक ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमलावर फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि सेटिंजे शहर राजधानी पोडगोरिका से लगभग 30 किलोमीटर दूर है। विशेष पुलिस अधिकारी हमलावर की तलाश कर रहे हैं। एक बयान में कहा गया है कि व्यक्ति ने बुधवार को एक बार में गोलीबारी की और फरार हो गया। पुलिस ने हमलावर का नाम केवल ए.एम. बताया है और कहा है कि वह 45 वर्ष का है। राष्ट्रपति जैकोव मिलेतोविक ने कहा कि वह घटना से स्तब्ध हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, "छुट्टी के दिन खुशियां मनाने के बजाय...हम निर्दोष लोगों की जान जाने से गमगीन हैं।" प्रधानमंत्री मिलोजको स्पेजिक ने अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना और तीन दिन के शोक की घोषणा की। उन्होंने कहा, "यह एक भयावह घटना है,

पाक सरकार ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और सशस्त्र बलों के कर्मियों के पेंशन लाभ में कटौती की

पाकिस्तान सरकार ने बढ़ते पेंशन बिल को कम करने के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों और सशस्त्र बल कर्मियों के पेंशन लाभ में भारी कटौती की है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की एक खबर के अनुसार वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक से अधिक पेंशन बंद करने के संबंध में तीन अलग–अलग अधिसूचनाएं जारी कीं, जिनमें पहली बार मिलने वाली पेंशन में कटौती की गई तथा भविष्य में पेंशन में वृद्धि निर्धारित करने वाले आधार में भी बदलाव किया गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

शपथ से पहले टारगेट पर ट्रंप, लास वेगास में धमाके से अमेरिका में सनसनी, फंस गए एलन मस्क!

अमेरिका के लास वेगस में भी एक बड़ा अटैक हुआ है। ट्रंप टॉवर के बाहर खड़े टेस्ला साइबर ट्रक में धमाका हुआ है। इस धमाके में एक शख्स की मौत हो गई है। घटना में सात लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना की लास वेगस पुलिस जांच कर रही है। हालांकि इस पूरे घटना की भी जांच पड़ताल आंतकी एंगल से की जा रही है। ट्रंक में पहले से ही भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ। अमेरिका के अगले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके ट्रंप टावर के बाहर अटैक किया गया है। लास वेगास मेट्रोपॉलिटन पुलिस और क्लार्क काउंटी अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वाहन के अंदर एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा आसपास मौजूद सात लोग मामूली रूप से घायल हो गए। प्राधिकारियों ने बुधवार दोपहर यहां वाहन से शव को निकाला और अंदर मौजूद सबूतों को इक्ट्ठा करने में जुट गए।

धमाके के बाद राष्ट्रपति बाइडन का पहला बयान

एक बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि हम लास वेगास में ट्रम्प होटल के बाहर एक साइबर ट्रक के विस्फोट पर नज़र रख रहे हैं। कानून प्रवर्तन और खुफिया समुदाय भी इसकी जांच कर रहे हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या हमले के साथ कोई संभावित संबंध है। बाइडेन ने कहा कि अब तक, इस समय उस स्कोर पर रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है। मैंने अपनी टीम को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि न्यू ऑरलियन्स में जांच को शीघ्रता से पूरा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए संघीय, राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन को हर संसाधन उपलब्ध कराया जाए। अमेरिकी लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है। हम न्यू ऑरलियन्स के लोगों का समर्थन करेंगे क्योंकि वे उपचार का कठिन कार्य शुरू करेंगे।

साइबरट्रक लिंक पर एलोन मस्क

विस्फोट में साइबरट्रक के कथित संबंधों के बारे में, टेस्ला प्रमुख एलोन मस्क ने एक्स पर पोस्ट में कहा, छ्हमने अब पुष्टि की है कि विस्फोट बहुत बड़ी आतिशबाजी और/या किराए के साइबरट्रक के बिस्तर में रखे गए बम के कारण हुआ था और इसका कोई संबंध नहीं है। विस्फोट के समय वाहन की सभी टेलीमेट्री सकारात्मक थी।

बांग्लादेश फिर से लिख रहा इतिहास! जिसने बनाया मुल्क, उसका वजूद मिटाने पर तुले कट्टरपंथी यूनुस

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और पाठ्यपुस्तक बोर्ड (एनसीटीबी) के अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेश सरकार ने आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए पाठ्यपुस्तकों से किसी भी अतिरंजित ऐतिहासिक जानकारी या व्यक्तियों के अनावश्यक महिमामंडन को खत्म करने का फैसला किया है। प्राथमिक और माध्यमिक छात्रों के लिए नई पाठ्यपुस्तकों में अब बताया जाएगा कि जियाउर रहमान घोषित श्वंगबंधुश् शेख मुजीबुर रहमान नहीं हैं। द डेली स्टार की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 1971 में बांग्लादेश की आजादी। ज़ियाउर रहमान एक बांग्लादेशी सैन्य अधिकारी और राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने बांग्लादेश के छठे राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। 5 अगस्त को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद, एनसीटीबी ने नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम–2022 को बंद करने और 2025 में शुरू होने वाले 2012 के पाठ्यक्रम पर वापस लौटने का विकल्प चुना। पुराने पाठ्यक्रम के तहत कक्षा चार से नौ तक की पाठ्यपुस्तकों को संशोधित किया जा रहा है, जबकि कक्षा एक से तीन तक की पाठ्यपुस्तकें अपरिवर्तित रहेंगी। परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने के लिए, विभिन्न ग्रेडों में 33 पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने के लिए विशेषज्ञ समितियों का गठन किया गया है। प्रत्येक समिति, जिसमें तीन से पांच विषय विशेषज्ञ शामिल हैं। एनसीटीबी और अंतरिम सरकार के निर्देशों के अनुसार परिवर्तन लागू करने का काम सौंपा गया है। इस प्रक्रिया में शामिल एक सदस्य ने द डेली स्टार से बात की और कहा, षिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान लिखी गई कई पाठ्यपुस्तकों में पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना के आख्यानों और भाषणों के साथ–साथ अन्य अतिरंजित जानकारी भी शामिल है। हमें ऐसी सामग्री को हटाने का निर्देश दिया गया है।

अमेरिका में अटैक ही अटैक, नाइट क्लब में भीड़ पर ताबड़तोड़ गोलीबारी, 11 घायल

न्यूयॉर्क के एक नाइट क्लब में हुई सामूहिक गोलीबारी में कम से कम 11 लोगों को गोली लगने की खबर है। कानून प्रवर्तन सूत्रों के अनुसार, अमाजुरा कार्यक्रम के पास गोलीबारी हुई। तीन

घायल इलाज के लिए एक स्थानीय अस्पताल में जाने में कामयाब रहे, जबकि अन्य को भी स्थानीय चिकित्सा सुविधाओं में ले जाया गया। घटना रात करीब 11:20 बजे हुई जब नाइट क्लब के पास बंदूक की आवाजें सुनी गईं। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) ने अभी तक घटना का कोई विवरण जारी नहीं किया है। पत्रकारों और स्थानीय लोगों की ओर से आ रहे कुछ सोशल मीडिया पोस्ट क्लब के पास बड़ी संख्या में पुलिस की मौजूदगी का संकेत देते हैं। इस बीच, अमेरिका से आने वाली एक और चौंकाने वाली घटना में अधिकारियों और सोशल मीडिया पर वीडियो के अनुसार, बुधवार देर शाम लास वेगास में ट्रम्प इंटरनेशनल होटल के बाहर एक टेस्ला साइबरट्रक में विस्फोट हो गया और आग की लपटें उठने लगीं। अमेरिका के न्यू ऑरलियंस में इससे पहले बीते दिन तड़के नए साल के स्वागत का जश्न उस वक्त त्रासदी में बदल गया जब एक व्यक्ति ने जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दिया। इस घटना में 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रसिद्ध 'बॉर्बन स्ट्रीट' के निकट हुए एक भयावह हमले में कई लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी के पिकअप ट्रक पर आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट का झंडा लगा था। आरोपी टेक्सास राज्य का 42 वर्षीय पूर्व सैनिक है और अधिकारी इस मामले में संदिग्ध तथा इस्लामिक स्टेट के बीच संभावित जुड़ाव की जांच कर रहे हैं।

ब्रिटेन में बढ़ रहा 'ग्रूमिंग गैंग्स' स्कैंडल, मस्क और ब्रिटिश सासंदों समेत दिग्गज हस्तियों का फूटा गुस्सा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में लगातार बढ़ रहे ग्रूमिंग गैंग्स मामलों पर बहस छिड़ गई है। पिछले 24 घंटों में सोशल मीडिया मंच एक्स पर तीखी बहस देखी गई। इस मुद्दे पर ब्रिटिश सांसदों, दिग्गज अरबपति एलन मस्क और ब्रिटिश लेखक जोआन रोलिंग जैसी हस्तियों ने अपने विचार साझा किए। टेस्ला सीईओ मस्क ने ऐसे अपराधों से निपटने के ब्रिटेन के तरीके की आलोचना की। उन्होंने पूर्व सीपीएस प्रमुख और वर्तमान प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर सीधा निशाना साधा। ग्रूमिंग गैंग्स के लोग छोटी और कमजोर लड़कियों को अपना निशाना बनाते हैं। वे उन्हें गिफ्ट्स देते हैं और यह एहसास दिलाते हैं कि वह उनसे बहुत प्यार करते हैं। वहीं, जब लड़कियां इन पर विश्वास करने लगती हैं, तो वे इन्हें शोषण के जाल में फंसा देते हैं। ग्रूमिंग गैंग्स के लोग इन लड़कियों को पार्टी में ले जाते हैं, उन्हें ड्रग्स देते हैं और एक या एक से अधिक लोगों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करते हैं। इनमें से कई लड़कियां गर्भवती भी हुईं, जिन्हें गर्भपात कराना पड़ा। हालांकि, कुछ ने अपने बच्चे को जन्म दिया, लेकिन उन्हें इसके पिता का नाम नहीं मालूम था। ग्रूमिंग गैंग्स ने रोशडेल, रॉदरहैम और टेलफोर्ड राज्यों में सबसे ज्यादा लड़कियों को अपने चंगुल में फंसाया।

एलन मस्क का स्टार्मर पर बड़ा आरोप

एलन मस्क ने कहा, श्ब्रिटेन में गंभीर अपराधों जैसे दुष्कर्म के मामलों में पुलिस को संदिग्धों पर आरोप लगाने के लिए क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) की मंजूरी की आवश्यकता होती है। जब दुष्कर्म करने वाले गैंग को युवा लड़कियों का शोषण करने की अनुमति दी गई थी, बिना किसी न्याय का सामना किए, तब सीपीएस के प्रमुख कौन थे? साल 2008 से 2013 तक कीर स्टार्मर।

इस शख्स की टीम ने उठाया मामला

बता दें, रॉबिन्सन एक ब्रिटिश पत्रकार हैं, जिन्होंने कथित ग्रूमिंग गैंग्स और युवतियों के कथित दुष्कर्म पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। फिलहाल वह जेल में बंद है। मगर, सोशल मीडिया मंच एक्स पर उनकी टीम ने एक बार फिर ब्रिटेन में कथित दुष्कर्म का विषय उठाया। उनकी टीम ने कहा, श्टेलफोर्ड में एक 11 साल की बच्ची के साथ ग्रूमिंग गिरोह के सदस्यों ने दुष्कर्म किया था। इतना ही नहीं उसे वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया गया। यह उस क्षेत्र में होने वाले कई मामलों में से एक है। एक ऐसा शख्स, जिसने इस अभिशाप के बारे में बोलने और सच्चाई बताने की हिम्मत की, उसे जेल में डाल दिया गया। वह जेल में सड़ रहा है। यह शख्स कोई और नहीं बल्कि टॉमी रॉबिन्सन हैं।

जेके रोलिंग ने कहा– सचमुच डरावना

इस बीच, लेखक जेके रोलिंग ने भी इन अपराधों की निंदा की और संभावित पुलिस भ्रष्टाचार पर सवाल उठाए। उन्होंने इन खुलासों को लगभग विश्वास से परे बताते हुए, टेलीग्राफ के पत्रकार सैम ऐशवर्थ–हेज द्वारा लिखे गए एक लेख का हवाला दिया। लेखक ने कहा, श्दुष्कर्म गिरोह (उन्हें ग्रूमिंग गैंग क्यों कहा जाता है? यह वैसे है जैसे लोगों को हत्या करने वाले को श्चाकू मालिकश कहना) ने रॉदरहैम में लड़कियों के साथ जो किया, उसके बारे में जो विवरण सामने आ रहे हैं, वे सचमुच डरावने हैं।

निमिषा प्रिया मामलाः मदद की गुहार के बीच भारत को मिला ईरान का साथ, कहा– करेंगे यमन से बात

हत्या के आरोप में यमन में मौत की सजा का सामना करने वाली केरल की नर्स निमिषा प्रिया मामले में एक बड़े घटनाक्रम में वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि वह मानवीय आधार पर समर्थन देने को तैयार है। 31 दिसंबर, 2024 को केरल के एलओपी और कांग्रेस नेता वीडी सतीसन ने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों से उन्हें बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को पहल करने की जरूरत होगी। सेव निमिषा प्रिया फोरम के बाबू जॉन ने कहा कि हमारे पास समय नहीं है। सरकार को फांसी रोकने के लिए तुरंत यमन सरकार के साथ जुड़ना होगा। हमारे पास समय नहीं है। सरकार को फांसी रोकने के लिए तुरंत यमन सरकार के साथ जुड़ना होगा केरल के पलक्कड़ जिले के कोलेनगोडे की रहने वाली निमिशा पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की कथित हत्या के लिए मौत की सजा मिली है। यमन के राष्ट्रपति रशद मोहम्मद अल–अलीमी ने सजा को मंजूरी दे दी। एक महीने के अंदर सजा पर अमल हो सकता है।

बाइडन छह जनवरी के कांग्रेस पैनल के नेताओं को दूसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार देंगे

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन लिज़ चेनी और बेनी थॉम्पसन को दूसरा सर्वोच्च नागरिक पदक प्रदान कर रहे हैं। ये वे सांसद हैं जिन्होंने छह जनवरी 2021 को डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा यूएस कैपिटल (संसद भवन परिसर) में हुए हिंसक दंगे की सरकार की जांच का नेतृत्व किया था। वहीं ट्रंप ने कहा है कि इन सांसदों को जेल भेजा जाना चाहिए। बाइडन बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में एक समारोह में 20 लोगों को राष्ट्रपति का नागरिक पदक प्रदान करेंगे, जिनमें विवाह समानता के लिए लड़ने वाले अमेरिकी, घायल सैनिकों के इलाज में अग्रणी भूमिका निभाने वाले और राष्ट्रपति के दोस्त टेड कॉफमैन, डी–डेल और क्रिस डोड, डी–कॉन शामिल हैं। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, "राष्ट्रपति बाइडन का मानना छ्है कि उनके समर्पण और बलिदान के कारण देश बेहतर है।" पिछले साल बाइडन ने उन लोगों को सम्मानित किया था जो दंगाइयों से संसद भवन की रक्षा करने में शामिल थे। राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा 1969 में स्थापित राष्ट्रपति नागरिक पदक, राष्ट्रपति पदक के बाद देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने 'अपने देश या अपने साथी नागरिकों की सेवा के अनुकरणीय कार्य किए हैं।

अमेरिकाः ट्रंप के होटल के बाहर वाहन में विस्फोट, एक व्यक्ति की मौत

अमेरिका के नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लास वेगास स्थित होटल के बाहर बुधवार को 'टेस्ला साइबरट्रक' में विस्फोट हो जाने से उसमें सवार एक संदिग्ध व्यक्ति की मौत हो गई और इस घटना के आतंकवाद से जुड़े होने की आशंका के मद्देनजर गहन जांच शुरू कर दी गई है। 'टेस्ला साइबरट्रक' में मोर्टार और ईंधन के कनस्तर रखे हुए थे। लास वेगास मेट्रोपॉलिटन पुलिस और क्लार्क काउंटी अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वाहन के अंदर एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा आसपास मौजूद सात लोग मामूली रूप से घायल हो गए। प्राधिकारियों ने बुधवार दोपहर यहां वाहन से शव को निकाला और अंदर मौजूद सबूतों को इक्ट्ठा करने में जुट गए। इस घटना के संबंध में राष्ट्रपति जो बाइडन को भी जानकारी दे दी गई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।